RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः223, गुरुवार, 21 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मानवतावाद पर केंद्रित चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 03

रक्सौल के डॉ. चिराग अग्रवाल ने नीट-पीजी 2025 में ऑल इंडिया 373वीं रैंक... 04

थामा का टीजर जारी, आयुष्मान-रश्मिका में दिखा रोमांस, मलाइका... 07

ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा विधेयक लोकसभा से पारित

मंत्री बोले- समाज कल्याण सर्वोपरि

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने और उसे विनियमित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 को आज ध्वनिमत से पारित कर दिया। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने सदन में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नकारात्मक पक्ष पर चिंता जताई और कहा कि मोदी सरकार राजस्व से ज्यादा समाज कल्याण को महत्व देती है। इस कारण से विधेयक में 'मनी गेम' को प्रतिबंधित किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच विधेयक पेश किया। विधेयक को पेश किए जाने के बाद शाम को हंगामे के बीच ही इसे बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक को महत्वपूर्ण मानते हुए कुछ सदस्यों ने चर्चा की मांग की। इस पर अध्यक्ष ने भी सभी को पर्याप्त समय देने का आश्वासन दिया। हालांकि सदस्यों के हंगामे के कारण चर्चा नहीं हो पायी।

विधेयक को चर्चा के लिए पेश करते हुए वैष्णव ने इसके महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधेयक के तीन हिस्से हैं और यह ई-स्पोर्ट्स, सोशल गेम्स और मनी गेम्स से जुड़े हैं। सरकार एक तरफ पहले दो पक्षों को बढ़ावा दे रही है और दूसरी ओर तीसरे पक्ष को प्रतिबंधित कर रही है। मनी गेम्स के समाजिक नुकसान के पक्ष को रखते हुए वैष्णव ने कहा कि लोग इसमें धन गंवा रहे हैं, बुरी आदतों का शिकार हो रहे हैं और कुछ परिस्थिति में आत्महत्या भी कर रहे हैं। अकेले कर्नाटक राज्य से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट में मनी गेम्स से 31 महीनों में 32 आत्महत्याओं की जानकारी दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इन मनी गेम्स को एक नए मानसिक विकार माना है। उन्होंने कहा, "जब भी समाज या मध्यम वर्गीय परिवारों के बारे में और उद्योग के एक क्षेत्र व सरकारी राजस्व के बारे में चिंता करनी होती है, इन दोनों के बीच में मोदी सरकार ने हमेशा मध्यमवर्गीय परिवार को और समाज के लाभ को ही चुना है। इस बिल में भी समाज के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। समाज को बुराई से बचाने के लिए यह बिल लाया गया है।" विधेयक के उद्देश्यों के अनुसार यह ई-स्पोर्ट्स, शैक्षिक गेम्स और सामाजिक गेमिंग को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ समाज को ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए जैसी हानिकारक गतिविधियों से बचाने के उद्देश्य से लाया गया है। विधेयक के माध्यम से सरकार एक राष्ट्रीय ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण की स्थापना करेगी, जो गेम्स की श्रेणीकरण, पंजीकरण, शिकायत निवारण और नियामक दिशा-निर्देश जारी करने जैसे कार्य करेगी। सरकार का कहना है कि इस विधेयक के माध्यम से युवाओं और परिवारों को वित्तीय और मानसिक संकट से बचाया जाएगा तथा डिजिटल क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। यह विधेयक देश को जिम्मेदार गेमिंग नीतियों और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगा।

जनसुनवाई में आए शख्स ने पहले सीएम रेखा गुप्ता को कागज थमाए फिर थप्पड़ जड़ दिया

नई दिल्ली : बुधवार को साप्ताहिक जनसुनवाई कर रहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर एक युवक ने हमला कर दिया। यह घटना मुख्यमंत्री आवास पर जन सुनवाई के दौरान की है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने भी बताया कि जन सुनवाई के बहाने एक शख्स सीएम गुप्ता के पास पहुंचा। उसने पहले सीएम को कुछ कागज दिया, फिर चिल्लाने लगा और थप्पड़ मार दिया। आरोपी को सिविल लाइन पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। मुख्यमंत्री आवास के अधिकारियों के मुताबिक, जिस समय सीएम जन सुनवाई कर रही थी। उसी समय एक शख्स अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा। इस दौरान उसने मुख्यमंत्री को थप्पड़ मार दिया। शख्स को हिरासत में ले लिया गया है। दिल्ली सीएम पर हमले करने वाले आरोपी शख्स की उम्र 35 साल बताई जा रही है। दिल्ली बीजेपी ने इस घटना की निंदा की है। बीजेपी नेता रमेश बिधूड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि रेखा गुप्ता पर हमले की यह कोशिश जन सुनवाई को डीरेल करने की मंशा से की गई है।

दंतेवाड़ा में 13 इनामी नक्सलियों सहित 21 ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में चलाये जा रहे लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान तथा "पूना मारगेम" (पुनर्वास से पुनर्जीवन) के तहत एसपी कार्यालय में 25 लाख 50 हजार के13 इनामी नक्सलियों सहित 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सल विरोधी अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले में पुलिस बल और सीआरपीएफ के द्वारा भटके हुए नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए लगातार संपर्क एवं संवाद कर शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव गांव तक किया जा रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रूपये की सहायता राशि के साथ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधायें जैसे स्किल डेवलपमेंट हेतु प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि दी जा रही है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर उनके पुनर्वास की पूरी व्यपस्था कर रहे हैं।

देश में स्मार्ट शहरों से ज्यादा जरूरी स्मार्ट गांव: गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में स्मार्ट शहर से ज्यादा स्मार्ट गांवों को बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि देश में गांवों में मूलभूत सुविधाओं की कमी की वजह से 30 फीसदी आबादी शहरों में पलायन कर गई है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने यहां टाटा समूह के ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टीईआरआई) द्वारा आयोजित '24वें दरबारी सेठ स्मृति व्याख्यान' में कहा कि देश के विकास में इंफ्रास्ट्रक्चर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में तेज गति से काम हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी महज 12 से 14 प्रतिशत रह गई है, जबकि विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 22 से 24 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 52 से 54 प्रतिशत है। गडकरी ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गांवों में बसता है। इसलिए आज

आवश्यकता है कि केवल स्मार्ट शहर ही नहीं, बल्कि स्मार्ट गांव भी बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि गांवों से शहरों की ओर हो रहे बड़े पैमाने पर पलायन का मुख्य कारण गांवों में मूलभूत सुविधाओं और रोजगार की कमी है। आजादी के बाद इस दिशा में जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया। यदि जल, जंगल और जमीन आधारित तकनीकों का उपयोग कर कृषि को सशक्त बनाया जाए, तो देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और समग्र विकास संभव होगा। गडकरी ने टाटा समूह और दरबारी सेठ द्वारा देश के विकास में निभाई गई भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि राजनीति में आने के बाद उनके धीरूभाई अंबानी और रतन टाटा जैसे उद्योगपतियों से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। टाटा समूह और दरबारी सेठ ने देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पानी, बिजली, परिवहन और संचार ये चार आधारभूत सुविधाएं जहां उपलब्ध होंगी, वहां निश्चित रूप से औद्योगिक और कृषि का विकास होगा। इससे न केवल ग्रोथ रेट बढ़ेगी, बल्कि निवेश भी आएगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, मैं विदर्भ से आता हूं, जहां बड़ी संख्या में किसानों ने आत्महत्या की है। मैंने उस इलाके में 10 हजार से अधिक किसानों की आत्महत्याएं देखी हैं, जिससे मैं किसानों के लिए काम करने के लिए प्रेरित हुआ। मैं कृषि क्षेत्र में जो भी कार्य कर रहा हूं, वह किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता से प्रेरित हैं। मैंने बिजनेस के लिए ऐसे मॉडल विकसित करने की कोशिश की है जो आत्मनिर्भर हों, क्योंकि सरकारी सहायता पर आधारित बिजनेस मॉडल में कई समस्याएं आती हैं उल्लेखनीय है कि टीईआरआई (टेरी) का पूरा नाम द एनर्जी रिसोर्स इंस्टीट्यूट (ऊर्जा और संसाधन संस्थान) है। यह एक गैर-लाभकारी शोध संस्थान है, जो ऊर्जा, पर्यावरण, और सतत विकास के क्षेत्रों में शोध और नवाचार पर केंद्रित है। इसे 1974 में टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में स्थापित किया गया था और 2003 में इसका नाम बदल दिया गया।

पिछले 11 वर्षों में सत्ता पक्ष ने विपक्ष के साथ भेदभाव किया: खरगे

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने आज संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बैठक कर उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में एकजुटता का प्रदर्शन किया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, एनसीपी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार, डीएमके सांसद त्रिची शिवा, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई समेत कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता उपस्थित थे।

इस अवसर पर खरगे ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सत्ता पक्ष ने विपक्ष के साथ भेदभाव किया है। संसद में बहुमत के बल पर सरकार जनविरोधी कानून पारित करती रही है, जबकि यह सरकार अल्पमत में है। संसद के मानसून सत्र में देश ने देखा कि कैसे बिना विपक्ष की भागीदारी के विधेयकों को जल्दबाजी और मनमानी से पारित किया गया। विपक्षी सांसदों को बोलने नहीं दिया गया और उन्हें मनमाने तरीके से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है, जिसकी गरिमा और निष्पक्षता को बनाए रखना अनिवार्य है। डॉ. एस. राधाकृष्णन जैसे महान व्यक्तित्वों ने इस पद की गरिमा को स्थापित किया था और राज्यसभा में एक स्वस्थ परंपरा को जन्म दिया था। आज वही परंपराएं टूटती दिख रही हैं और विपक्ष को उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। ऐसे समय में विपक्षी दलों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि वे एक ऐसे व्यक्ति को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित करेंगे, जिनका पूरा जीवन संविधान, लोकतंत्र और न्यायिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा हो। राहुल गांधी ने भी इस मौके पर रेड्डी के अनुभव और सोच की सराहना करते हुए कहा कि वे एक ऐसे न्यायाधीश हैं, जिनके पास दशकों का कानूनी अनुभव है और वे संविधान के सच्चे उपासक हैं। रेड्डी ने तेलंगाना में सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेषकर जातिगत जनगणना पर आधारित योजनाओं के निर्माण में।

बेगूसराय में होमगार्ड जवानों की बस पलटी, 20 जवान घायल, एक महिला की मौत

एजेंसी, पटना

बिहार में बेगूसराय जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या (एनएच)- 31 पर 54 होमगार्ड से भरी बस बुधवार सुबह गड्ढे में पलट गई, जिससे सभी होमगार्ड जवान घायल हो गए हैं। घायलों में से चार होमगार्ड की स्थिति नाजुक है और 20 से अधिक होमगार्ड जवानों को काफी चोटें आई हैं। इसके अलावा एक स्थानीय महिला की मौत हो गई है। होमगार्ड के जवान प्रेमचंद कुमार ने बताया कि हम 54 होमगार्ड बलिया ट्रेनिंग सेंटर से बेगूसराय कैंप की ओर जा रहे थे। इसी बीच अचानक बाइक बस के सामने आ गई और ड्राइवर बस को कंट्रोल नहीं कर पाया, जिससे बस सीधे गड्ढे में चली गई। हादसे में 20 से अधिक जवान घायल हैं, जबकि चार की स्थिति नाजुक है। वहीं एक महिला की मौत हो गई है। मृत महिला की पहचान रोशनी

देवी निवासी खगड़िया के रूप में हुई है। रोशनी देवी (मृत महिला) के पति रणवीर यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 'मैं अपनी पत्नी और बेटे के साथ बाइक से बेगूसराय जा रहा था। तभी पीछे से आ रही होमगार्ड से भरी बस ने धक्का मार दिया। जिससे मेरी पत्नी की की मौत हो गई, जबकि मेरा बेटा और मैं घायल हो गया।

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर पकड़ा लाखों का सामान

एजेंसी, अगरतला । भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों ने एक बड़ी सफलता हासिल की। सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों ने तस्करी की कोशिशों को नाकाम करते हुए बड़ी संख्या में मवेशियों के साथ ही करीब 35 लाख के सामान को जब्त किया। बीएसएफ प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि बड़ी संख्या में मवेशियों के अलावा पकड़े गए सामानों में कॉस्मेटिक, फेंसिडिल की बोतलें, कपड़े और मोबाइल फोन शामिल हैं। इनकी कुल कीमत लगभग 35,03,766 रुपये आंकी गई है। ये सभी सामान बांग्लादेश में तस्करी कर ले जाने की कोशिश की जा रही थी।

चुनाव आयोग के खिलाफ हमारी सरकार कार्रवाई जरूर करेगी : राहुल गांधी

एजेंसी, पटना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निकले हैं। यात्रा के चौथे दिन बुधवार को उनका पड़ाव शेखपुरा पहुंचा, जहां एक जमसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र और बिहार सरकार पर निशाना साधा। शेखपुरा में जनसभा को सम्बोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि "एक दिन वो सच्चाई भी सामने आएगी, जिसमें पता चलेगा कि बिहार का पिछला चुनाव भी चोरी से जीता गया था। चुनाव आयोग के लोग याद रखें, हमारी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर करेगी। राहुल

गांधी ने शेखपुरा जिले के बरबीघा में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दुस्तान के गरीबों के पास सिर्फ वोट का अधिकार बचा हुआ है। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार इसे भी छीनने का प्रयास कर रही है। आपका वोट चला जाता है, तो बाद में राशन कार्ड, उसके बाद जमीन और फिर आपके पास जो कुछ बचा हुआ है, सब चला जायेगा। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा की सरकार मिलकर वोट चोरी करने का काम कर रही है। लोकसभा में महाराष्ट्र में कांग्रेस ने चुनाव जीता पर, चार महीने बाद विधानसभा में चुनाव आयोग की मदद से भाजपा ने वोट चोरी कर बाजी पलट दी। लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा के चुनाव में महाराष्ट्र में एक करोड़ नए वोटर जोड़ दिए गए। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में बीते 20 साल से नीतीश जी की सरकार है। यदि यहां भी जांच हो, तो पाया जायेगा कि पिछले विधानसभा में भी वोट चोरी कर ही बिहार में भी चुनाव जीता गया है। यह सच्चाई है और यह सच्चाई भी एक दिन बाहर आयेगी।

35 वर्ष बाद टाडा मामले में उल्फा प्रमुख अरविंद समेत 38 लोग बरी

गुवाहाटी । प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (उल्फा) से जुड़े 38 लोगों को टाडा अदालत ने बुधवार को बरी कर दिया है। टाडा मामले में 38 लोगों को अदालत ने बुधवार को 35 साल बाद 43/2001 संख्या के मामले का निर्णय दिया। टाडा मामले में बरी होने वाले उल्फा के अध्यक्ष अरविंद राजखोआ, अनूप चेतिया, शशधर चौधरी, प्रदीप गोगोई, सुनील नाथ समेत 38 लोगों को अदालत ने दोषमुक्त घोषित किया। इसी प्रकार, कल्पज्योति नेउग, राजू बरुवा, मुनीन नबिश, अनादर ठाकुरिया को भी दोषमुक्त घोषित किया गया। ज्ञात हो कि, वर्ष 1991 में दिसपुर थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। 2001 से टाडा अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। 43/2001 नंबर टाडा मामले में कुल 45 आरोपित थे। 45 आरोपितों में से परेश बरुवा सहित 3 अभी भी फरार हैं। 4 लोगों की मृत्यु के कारण उनके नाम मामले से वापस ले लिए गए हैं। उग्रवाद पैदा करने, धन उगाही के आरोप में यह मामला दर्ज किया गया था। यूएपीए, टाडा के साथ-साथ आईपीसी की कई धाराएं उनके खिलाफ लगाई गई थीं। अंततः लंबे समय के बाद आज इस प्रतिबंधित संगठन के कई नेताओं को दोषमुक्त किया गया।

जेल में बंद दागी प्रधानमंत्री, सीएम, मंत्रियों को हटाने से जुड़े तीन विधेयक जेपीसी को भेजे गए

एजेंसी, नई दिल्ली

गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तार होने पर अब प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाया जा सकेगा। केंद्र सरकार इसके लिए कानून बनाने जा रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने आज लोकसभा में इस संबंध में तीन विधेयक पेश किए। इसके मुताबिक, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री 30 दिन तक हिरासत में रहते हैं तो उनको बर्खास्त कर दिया जाएगा। विपक्ष ने इसका विरोध करते हुए सदन में हंगामा किया। बाद में इन विधेयकों को आगे विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया।गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विधेयक- संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025; केंद्रशासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 विचार के लिए रखे। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार भ्रष्टाचार और अन्य गंभीर मामलों में जेल में बंद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को 30 दिन के बाद पद

से हटाया जा सकता है। हालांकि रिहा होने पर वे दोबारा पदभार ग्रहण कर सकते हैं। विधेयक के उद्देश्य में कहा गया है कि ऐसा नैतिक उत्तरादायित्व सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। संविधान संशोधन विधेयक के अलावा अन्य दो विधेयक केन्द्रशासित प्रदेशों और जम्मू-कश्मीर में इस तरह के प्रावधानों से जुड़े हैं। विधेयक पेश किए जाने का एआईएमआईएम के असदुदीन औवेसी, कांग्रेस के मनीष तिवारी, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, सपा के धर्मेन्द्र यादव और कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने विरोध किया। इन्होंने इसे संविधान के बुनियादी ढांचे, मूलभूत सिद्धांत, संसदीय लोकतंत्र के विरोध में बताया। इसी बीच विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा जिन्होंने गृहमंत्री की तरफ पेपर उछाले और इसके कारण कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। कार्यवाही 3 बजे दोबारा शुरु होने पर गृहमंत्री ने तीनों विधेयक सदन की मंजूरी के बाद पेश किया। बाद में उन्होंने विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजे जाने का प्रस्ताव किया। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होंगे। अमित शाह ने इस दौरान विपक्षी सदस्यों के आरोपों का जवाब भी दिया। उन्होंने कहा कि विधेयक नैतिकता के मूल्य बने रहें, इसलिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि वे भी गुजरात में मंत्री रहने के दौरान जेल गए थे और उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया था। सभी आरोपों से मुक्त होने तक उन्होंने कोई संवैधानिक पद नहीं ग्रहण किया।

झारखंड के उत्तर पश्चिम जिलों में 22 को भारी बारिश की आशंका, ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी, रांची

झारखंड के उत्तर पश्चिमी जिलों में 22 अगस्त को भारी बारिश होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज जारी किया है। राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है उनमें पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा शामिल है। विभाग ने 25 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की आशंका व्यक्त की है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के गोयलकेरा में 36.6 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। इस दौरान रांची में 16.8 मिलीमीटर बारिश की गई। बुधवार को रांची और आसपास

के इलाकों में बादल छाया रहा बीच-बीच में हल्की धूप में निकली। रांची में अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री, जमशेदपुर में 31.6, डालटेनगंज में 32.7 डिग्री, बोकारो में 30.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर के बेटे का बेऊर इलाके से अपहरण, पटना जंक्शन गोलंबर पर पुलिस को देख स्कॉर्पियो से कूदा बच्चा

पटना। पटना में बेऊर थाना क्षेत्र के बालमीचक से बदमाशों ने मंगलवार की शाम एक बच्चे का अपहरण किया। इसके बाद ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी से बच्चे को लेकर भाग रहे थे। इसी बीच पटना जंक्शन गोलंबर पर जाम लगा था। ट्रैफिक पुलिस की टीम जाम को हटाने के प्रयास में जुटी थी। इस दौरान पुलिसकर्मियों को देख बच्चा स्कॉर्पियो से कूद गया। बच्चे को कूदते देख पुलिसकर्मियों ने बच्चे को अपने कब्जे में ले लिया। पूछताछ के दौरान डर से बच्चा कुछ बोल नहीं पाया। उसे पकड़ने के लिए दो अपराधी भी उतरे, लेकिन पुलिसकर्मियों को देखकर गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। पुलिस की पूछताछ में बच्चा ने बताया, उसको किडनैप कर बदमाश अपने साथ लेकर भाग रहे थे। बच्चे का नाम आदित्य राज है। पिता मोकामा में प्रोफेसर हैं। बच्चे ने बताया कि स्कूल से आते समय ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो मेरे पीछे पीछे चल रही थी। जहां जा रहे थे, वहां दूरी पर खड़ी हो जा रही थी। शाम में खेलने के लिए मां के साथ निकला। इसी बीच अपहरण कर लिया। आदित्य ने बताया कि स्कॉर्पियो में 7 लोग थे। अंदर मुंह में कपड़ा डाल दिया था और गले पर चाकू रखकर ले जा रहे थे। मैं रो रहा था तो मुझे मारपीट भी रहे थे। फिर जब मैं पुलिसकर्मियों को देखा तो मुझे हिम्मत आई और मैं गाड़ी से कूद गया। ट्रैफिक SI कैलाश राम ने बताया मैं अपने कर्मियों के साथ खड़ा था। गोलंबर पर जाम हटा रहे थे। इसी बीच एक ब्लैक स्कॉर्पियो आई। जाम में वो भी फंसी थी। इसी गाड़ी से बच्चा कूदकर बाहर निकला। इसके बाद हमलोग उसे संभालने में लग गए। गाड़ी से दो और लोग उतरे थे। लेकिन हमलोगों को देखकर भाग गए।

912 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त, पिकअप से तस्करी कर रहे सीतामढ़ी के 2 आरोपी गिरफ्तार

हाजीपुर। हाजीपुर के गंगाब्रिज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से 912 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सीतामढ़ी का रीगा थाना क्षेत्र के चोटाही निवासी शिवजी बैठा है। दूसरा आरोपी सीतामढ़ी का बथनाहा थाना क्षेत्र निवासी सचिन कुमार है, जो लालबाबू राय का बेटा है। सदर SDPO सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित कफ सिरप पटना से सीतामढ़ी होते हुए हाजीपुर जाने वाला है। इस सूचना पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में छापेमारी की गई। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। पूछताछ में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस सिंडिकेट तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

शहीद की डेडबॉडी से लिपटकर पत्नी बोली-ऐसे क्यों आए, रोते हुए कहा- तुम तो 25 अगस्त को आने वाले थे

हाजीपुर। अरुणाचल प्रदेश में शहीद हुए वैशाली के जवान कुंदन कुमार का बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। हाजीपुर के कोनहारा घाट पर पिता ने जवान बेटे को मुखाग्नि दी। पार्थिव शरीर को जब घाट पर लाया गया तो सैकड़ों की संख्या में लोग साथ-साथ कोनहारा घाट पहुंचे। देश भक्ति गीत बजते रहे। लोगों के हाथों में तिरंगा दिखा। भारत माता के नारे लगते रहे। बुधवार सुबह करीब 8 बजे जवान का पार्थिव शरीर फूलों से सजी गाड़ी से उनके पैतृक गांव गौसपुर बरियारपुर लाया गया। पार्थिव शरीर को देखते ही जवान की पत्नी बार-बार बेहोश होने लगी। पत्नी ने कहा- 'तुम ऐसे क्यों आए। तुमने तो 25 अगस्त को आने का वादा किया था, फिर इतनी जल्दी क्यों आए।' अंतिम दर्शन के लिए लोग छतों और पेड़ों पर चढ़ गए। इससे पहले जब पार्थिव शरीर को लेकर गाड़ी गांव में पहुंची तो पीछे हाथों में तिरंगा लिए लोग चल रहते रहे। भारत माता के नारे लगते रहे। पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंचीं। कुंदन के पिता ने बताया कि '1उ8 अगस्त को उन्हें अधिकारियों का फोन आया था। उन्होंने बताया कि आपका बेटा आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गया है।' कुंदन आर्मी में GD नायक के पद पर तैनात थे। 3 अप्रैल 2025 को सियाचिन से अरुणाचल प्रदेश ट्रांसफर हुआ था। अक्टूबर 2025 में उनका अयोध्या ट्रांसफर होने वाला था। कुंदन के भाई अमन ने बताया, 'कुछ दिन पहले भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था, उस समय वो अरुणाचल प्रदेश के मेचुका में ड्यूटी पर तैनात थे। मई महीने में उन्होंने मुझे रात के 11 बजे कॉल किया था।' 'इस दौरान बातचीत में वे मरने की बात कहने लगे थे। भइया ने बताया था, उनके ऊपर कुछ लोन हैं। उसके पेपर घर पर ही हैं। तुम उसे क्लियर करवा देना। मेरी LIC की किश्त भी भर देना, क्योंकि अब लग रहा है कि हम घर नहीं आ पाएंगे। इसके बाद उन्होंने फोन काट दिया। इसके बाद से जब भी हमारी बात हुई।'

वैशाली-कोडरमा के बीच चलेगी मेमू ट्रेन

हाजीपुर। बिहार और झारखंड के यात्रियों के लिए एक नई रेल सुविधा शुरू होने जा रही है। वैशाली और कोडरमा के बीच मेमू फास्ट पैसेंजर ट्रेन का संचालन 22 अगस्त 2025 से शुरू होगा। प्रधानमंत्री गया जंक्शन से हरी झंडी दिखाकर इस ट्रेन सेवा का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन दिवस पर दो विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। गाड़ी संख्या 03624 गया से वैशाली के लिए सुबह 10:50 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन तिलैया, राजगीर, नालंदा, बिहार शरीफ, बख्तियारपुर, फतुहा, राजेंद्रनगर, पटना, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर होते हुए रात 19:30 बजे वैशाली पहुंचेगी। दूसरी ट्रेन 03626 गया से कोडरमा के लिए सुबह 11:00 बजे रवाना होकर गुरपा होते हुए दोपहर 13:00 बजे कोडरमा पहुंचेगी। 23 अगस्त 2025 से नियमित ट्रेन सेवा शुरू होगी। गाड़ी संख्या 63383 वैशाली से कोडरमा के लिए सुबह 05:15 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दोपहर 15:15 बजे कोडरमा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 63384 कोडरमा से शाम 16:45 बजे रवाना होकर अगले दिन 02:45 बजे वैशाली पहुंचेगी। यह ट्रेन सेवा सोमवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन चलेगी। ट्रेन हाजीपुर, पाटलिपुत्र, पटना, बख्तियारपुर, नालंदा, राजगीर, तिलैया और गया होते हुए गुजरेगी। इस नई ट्रेन सेवा से दोनों राज्यों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी।

एम्स में लगा हथियार लेकर प्रवेश पर रोक का बोर्ड

पटना। पटना एम्स प्रशासन ने परिसर में हथियार लेकर प्रवेश करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन ने परिसर में कई स्थानों पर इस संबंध में चेतावनी बोर्ड लगा दिए हैं। यह निर्णय 30 जुलाई 2025 की रात हुई एक घटना के बाद लिया गया। उस रात शिवहर के विधायक चेतन आनंद और उनकी पत्नी डॉक्टर आयुषी के साथ एम्स परिसर में धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार की घटना हुई थी। इस घटना के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस निर्देश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह नियम मुख्य गेट के अंदर के पूरे परिसर में लागू रहेगा। पटना एम्स के सूचना जनसंपर्क प्राधिकारी आशी मिश्रा ने बताया कि किन लोगों के लिए यह निर्देश लागू होगा इस पर एम्स प्रशासन मंथन कर रही है। जल्द ही इस बात को स्पष्ट कर दिया जाएगा कि यह निर्देश किन-किन लोगों पर लागू होगा। बोर्ड लगाने का मकसद पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फिलहाल यह सामान्य लोगों पर लागू है।

'विधानसभा चुनाव से पहले होगी टीआरई 4 की परीक्षा'

एजेंसी, पटना

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि राज्य में होने वाली अगली शिक्षक भर्ती परीक्षाओं को लेकर तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि TRE 5 की परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव के बाद कराई जाएगी। जबकि, TRE 4 की परीक्षा विधानसभा चुनाव से पहले ही आयोजित करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग इस बारे में विस्तृत योजना बना कर जल्द घोषणा करेगा ताकि अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए पूरा समय मिल सके।

STET अभ्यर्थियों के आंदोलन पर प्रतिक्रियाः शिक्षा मंत्री ने STET अभ्यर्थियों के आंदोलन पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार उनकी मांगों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों से बातचीत हो चुकी है। उनकी सभी बातों को गंभीरता से सुना गया है। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार जल्द ही इस मामले में कोई ठोस निर्णय लेगी, ताकि अभ्यर्थियों की समस्याओं का उचित समाधान किया जा सके।

राहुल गांधी की यात्रा पर बयानः राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर पूछे गए सवाल पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि यात्रा करना उनका अधिकार है और लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने की आजादी है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि इस यात्रा का राज्य सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने राज्य के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार देने का काम किया है। महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं चलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है और आरक्षण के प्रावधानों को भी मजबूती से लागू किया गया है।

कानून अपना काम करेगीः नवादा में प्रधानमंत्री के पोस्टर फाड़ने की घटना को लेकर शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगर ऐसी कोई घटना वास्तव में हुई है तो कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

♦ शिक्षा मंत्री सुनील कुमार बोले- एसटीईटी अभ्यर्थियों की मांगों पर जल्द फैसला आएगा

'सीएम नीतीश कुमार के अचेत होने से बढ़ी आपराधिक घटनाएं'

एजेंसी, पटना

♦ तेजस्वी ने जारी की लिस्ट, बोले- बिहार में अपराधियों का बढ़ा मनोबल

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए राज्य में बढ़ रहे अपराध के मामलों को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि "बेसुध और थके हारे मुख्यमंत्री की अगुवाई में बीजेपी के 'विजयी सम्राट' अब बिहार में खून की नदियाँ बहा रहे हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह अचेत और बीमार अवस्था में हैं और सत्ता संरक्षित अपराधियों को खुली छूट दे रखी है, जिससे अब अपराधी सीधे घरों में घुसकर हत्याएं कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में राज्यभर में हाल ही में हुई हत्याओं की एक लंबी सूची साझा की और इसे "क्राइम बुलेटिन" बताते हुए लिखा कि बिहार की जनता भय और दहशत के साए में जी रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार अपराध नियंत्रित करने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर अपराधी लगातार आम लोगों की जान ले रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष द्वारा साझा किए गए तथ्यों के अनुसार, पटना में भाई-बहन की निर्मम हत्या, मधेपुरा में एक युवक की हत्या और कटिहार में किसान की हत्या जैसी वारदातों से लोग स्तब्ध हैं। समस्तीपुर में एक महिला की हत्या, बांका और बेगूसराय में युवकों को अगवा कर गोली मार देने की घटनाओं ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भभुआ में युवक को ईंट-पत्थर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया गया, वहीं सिवान में 25 वर्षीय युवक का गला रेत दिया गया। इसके अलावा, पटना में डिलीवरी बॉय को घर में घुसकर गोली मारी गई, गोपालगंज और मोतिहारी जिलों में बदमाशों ने घर में घुसकर हत्याएं कर दीं।

ऑटो में जाते दिखा किडनैपिंग की कहानी बताने वाला बच्चा

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन गोलंबर के पास बेऊर के बालमीचक से एक लड़का पटना जंक्शन गोलंबर पहुंच गया। ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों को देखकर उनके पास आ गया। लड़का पूरी तरह से बदहवास स्थिति में था। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे संभालने में लग गए। चेकपोस्ट पर पूछताछ के दौरान उसने बताया कि ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी से उसका अपहरण कर के अपराधी भाग रहे थे। इसी बीच पटना जंक्शन के पास पुलिसकर्मियों को देखकर उसने गाड़ी से छलांग लगा दी। लड़के के मुताबिक गाड़ी में 7 अपराधी थे। जो उसके साथ मारपीट और टॉर्चर कर रहे थे। इस मामले में पुलिस को अब तक अपहरण के साक्ष्य नहीं मिले हैं। एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें बच्चा खुद ऑटो में बैठकर जाते दिख रहा है। पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है। बच्चे के पिता डॉक्टर कमलेश कुमार प्रोफेसर हैं।

सीसीटीवी में खुद से ऑटो में बैठता हुआ दिख रहा, पुलिस को दी थी किडनैपिंग की जानकारी

मां ने कहा- काफी खोजबीन कीः बच्चे की मां शर्मिला कुमारी ने बताया कि बच्चा मेरा घर से कॉपी पेंसिल लाने निकला था। बोला कि ममी कॉपी पेंसिल लाने जा रहे हैं। शाम में 5:45 बजे निकला था। हमलोगों ने 10 से 15 मिनट वेट किया। उसके बाद काफी खोजबीन किया। लेकिन नहीं मिला।

संसद में पेश बिल का माले महासचिव ने किया विरोध, कहा- यह लोकतंत्र पर खतरे का बिल

एजेंसी, पटना

संसद में आज उस बिल को पेश किया गया, जिसके तहत किसी भी मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या मंत्री को गिरफ्तारी के तीस दिन बाद पद से हटना अनिवार्य होगा। इस बिल का भाकपा (माले) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कड़ा विरोध किया और इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक करार दिया। दीपांकर भट्टाचार्य ने आज पीसी बुलाकर कहा कि यह कानून विपक्षी गैर-भाजपा सरकारों को चलने से रोकने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर यह कानून बन गया तो किसी भी गैर-भाजपा सरकार और उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें पद से हटाने का हथियार मिल जाएगा। यह संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरा है।

आरएसएस का कोई भी उम्मीदवार मंजूर नहींः महागठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का स्वागत करते हुए दीपांकर ने कहा कि उनका पक्ष संविधान-विरोधी नीतियों और कॉर्पोरेट लूट के खिलाफ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि हम लोगों को आरएसएस का कोई उम्मीदवार मंजूर नहीं है। लोकतंत्र-विरोधी और संविधान-विरोधी आरएसएस प्रचारक को उपराष्ट्रपति बनाना देश के हित में नहीं है।

वोटर अधिकार यात्रा को जनता का समर्थनः वोटर अधिकार यात्रा पर दीपांकर ने दावा किया कि इस यात्रा को व्यापक जनसमर्थन मिला है। लोगों में बदलाव की आशा दिख रही है। करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, जिनमें से 35 लाख प्रवासी मजदूर हैं। यहां तक कि विदेशों में रहने वाले एनआरआई और बिहार के प्रवासी कामगारों के नाम भी काट दिए गए हैं। यह बिहार के साथ खुला अन्याय है। दीपांकर ने कहा कि यात्रा में जनता को यह संदेश दिया जा रहा है कि उनके वोट पर चोट की जा रही है और बदलाव जरूरी है। उन्होंने बताया कि यात्रा अब आंदोलन का रूप ले चुकी है और पूरे बिहारवासियों का व्यापक समर्थन इसके साथ है।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोपः चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि जीरो नंबर मकानों पर रहने वालों के नामों में बड़े पैमाने पर घोटाले हो रहे हैं। पार्टी बार-बार शिकायत दर्ज करा रही है, लेकिन आयोग उन्हें मानने से इनकार कर रहा है। चुनाव आयोग गुमराह कर रहा है और यह कहकर भ्रांतियां फैला रहा है कि पार्टियों की ओर से कोई आपत्ति नहीं आई। आयोग सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने की बात कर रहा है, जिससे पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि एनडीए यात्रा को फ्लॉप बताकर गुमराह कर रही है, लेकिन हकीकत यह है कि यात्रा को लोगों ने देखा है और इसे छुपाना अब किसी के लिए संभव नहीं है।

♦ आरएसएस उम्मीदवार पर हमला, वोटर अधिकार यात्रा बनी जनआंदोलन

वोटर अधिकार यात्रा पर मंत्री संजय सरावगी का हमला

पटना में कहा- राहुल गांधी के आरोप 24 घंटे में हुए फेल, लालू-तेजस्वी पर भी कसा तंज

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार में मंत्री संजय सरावगी ने आज पीसी कर विपक्ष की वोटर अधिकार यात्रा की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इस यात्रा को 'प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री उम्मीदवार खोजो यात्रा' करार दिया और कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। संजय सरावगी ने आगे कहा कि कल तेजस्वी यादव राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बना रहे थे। रोहतास की सभा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मंच पर रेनू देवी को बुलाकर कई तरह के आरोप लगाए थे, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही उनकी पोल खुल गई। क्या राहुल गांधी जनता से माफी मांगेंगे कि उनके लगाए गए आरोप बार-बार झूठे साबित होते हैं।

बूथ कैप्चर करने वाले कर रहे वोटर अधिकार यात्राः उन्होंने कांग्रेस नेता कीर्ति आजाद के पुराने बयान का हवाला देते हुए कहा कि कीर्ति आजाद ने ही स्वीकार किया था कि उनके पिता बूथ कैप्चर करके चुनाव जीते थे, और आज वही लोग वोटर अधिकार यात्रा की बात कर रहे हैं।

यात्रा के दौरान विवादित घटनाओं का जिक्रः मंत्री ने तेजस्वी और राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अपनी यात्रा में वे इतने मग्न हो गए कि उनकी गाड़ी पुलिसकर्मी पर चढ़ गई, लेकिन वे गाड़ी से उतरकर हाल-चाल तक पूछने नहीं गए। उन्होंने नवीनगर में विधायक के साथ हुई मारपीट की घटना का भी जिक्र किया।

हार की भूमिका अभी से बना रहा विपक्षः उन्होंने विपक्ष की सभाओं पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष को लगता है कि उनकी रैली में जितने लोग आते हैं, वे सब वोटर हैं, जबकि सर्कस में भी लोग जोकर को देखने जाते हैं। हार की भूमिका विपक्ष अभी से बनाने लगा है। लालू यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि एक समय उन्होंने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन को रस्सी से बांधने की धमकी दी थी। अब वही लोग वोटर अधिकार यात्रा कर रहे हैं। सरावगी ने यह भी कहा कि लालू यादव ने अपने जन्मदिन पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को पैर के पास रख दिया था और एक वक्त उन्हें छल से हराया भी था।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विश्वासः उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने मृत व्यक्तियों और डुप्लीकेट वोटरों के नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिए हैं। सभी DM ने जिलाध्यक्षों के साथ बैठक कर पूरी रिपोर्ट चुनाव आयोग को सौंप दी है। आयोग पूरी निष्पक्षता के साथ काम कर रहा है, फिर भी विपक्ष उस पर सवाल खड़े करता है।

विपक्ष रोहिंग्या और बांग्लादेशी से डलवाते थे वोटः सरावगी ने कहा कि विपक्ष को पुनरीक्षण प्रक्रिया से इसलिए डर लग रहा है। क्योंकि वे पहले रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से फर्जी वोट डलवाते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नवंबर के बाद विपक्ष यह सोच रहा है कि अब नया बहाना क्या बनाया जाए। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है।

हजार रुपए में भाड़े पर पिस्टल लेकर डाला वीडियो-फोटो, गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पुनपुन थाना क्षेत्र के लोदीपुर के रहने वाले कुंदन कुमार (21) का सोशल मीडिया पर हथियार के साथ वीडियो वायरल हुआ था। पटना पुलिस ने संज्ञान लेते हुए कुंदन समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें से दो नाबालिग हैं। पुलिस की पूछताछ में सभी आरोपियों ने बताया है कि इनलोगों ने हथियार खरीदकर सिर्फ सोशल मीडिया पर उसके साथ तस्वीर शेयर की थी। फायरिंग वगैरह नहीं की थी।

वायरल होने के बाद पकड़ाए 4 लोग, 2 नाबालिग भी शामिल, कहा- फायरिंग नहीं की थी

हथियार के साथ सभी ने ली थी तस्वीरः सिटी SP पूर्वी परिचय कुमार ने सभी पैरेंट्स से अपने बच्चों पर ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि माता पिता बदलते परिवेश में अपने बच्चों की गतिविधि पर ध्यान दें, ताकि अपराध के दलदल में उनके बच्चे फंसने से पहले बच जाएं। कहा कि पुनपुन में जो हथियार मिले हैं, इसमें नाबालिग लड़के भी शामिल हैं। इनकी गलती सिर्फ इतनी है कि उन्हें किसी ने हथियार उपलब्ध कराया और सभी ने उस हथियार के साथ अपनी अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। इसी में सभी फंसते चले गए। इनके अलावा कुछ और लड़कों के भी नाम सामने आए हैं। जिनसे पूछताछ हुई है। हालांकि इनके खिलाफ फिलहाल ठोस सबूत नहीं मिलने के चलते नहीं पकड़ा गया है। अगर इनकी भी तस्वीर सोशल मीडिया या अन्य मध्यम से हथियार के साथ सामने आती है, तो इनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। पकड़े गए चार आरोपियों में से एक ने बताया है कि उसे किसी दूसरे ने 1000 रुपए में अपनी पिस्टल गिरवी रखकर गया था। बराबर उसे बुलाने पर भी रुपए नहीं लौटा रहा था और ना सामने आ रहा था। फिलहाल इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर 3 हथियार बरामद किए गए हैं।

चार हजार लोगों के लिए 2 नाव की व्यवस्था, वार्ड-56 में जलजमाव

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के वार्ड नंबर 56 में रहने वाले लगभग 4000 लोग पिछले दो महीने से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। कॉलोनी में चार से पांच फीट तक नाले का पानी भर गया है। पैजावा सोनालिका नगर में स्थिति विकट है। कंकड़बाग और कुम्हरार जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों का नाले का पानी पैजावा नहर के जरिए सोनालिका नगर कॉलोनी में छोड़ा जा रहा है। इससे लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। एयर फोर्स से सेवानिवृत्त शिवनंदन सिंह ने बताया कि बादशाही पैन की गंदगी वाला पानी भी कॉलोनी में आ रहा है।

नाव से स्कूल-ऑफिस आते, लोग बोले- शहर का सारा पानी कॉलोनी में आता

नगर निगम को कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गंदे पानी की वजह से उनकी बच्ची बीमार पड़ गई है। जलजमाव से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। बच्चों की स्कूल की पढ़ाई रुक गई है। बुजुर्गों को दवाई लाने में दिक्कत हो रही है। महिलाएं बाजार नहीं जा पा रही हैं। विषैले जीवों का खतरा भी बढ़ गया है। राशन की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

शहर का पूरा पानी हमारी कॉलोनी में आ रहाः कृषि विभाग से सेवानिवृत्त रामनाथ सिंह ने कहा, 'पहले शहर का पानी पुनपुन नदी में जाता था। अब यह व्यवस्था बदल गई है, जिससे कॉलोनी में जलजमाव की समस्या गंभीर हो गई है। शहर का पूरा पानी इस कॉलोनी में आ रहा है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे में महज 1 इंच के आसपास पानी घट रहा है। अनुमान लगाया जा सकता है इतना भीषण जलजमाव कितने महीने में सुखेगा। मोटर मैकेनिक विनोद प्रसाद ने बताया कि वर्ष 2019 में यहां नाव चलाने की नौबत आई थी और इस पर फिर वही भीषण जल जमाव से लोग त्रस्त हैं'।

2 नाव के सहारे लोगः पटना नगर निगम 56 वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि बलराम मंडल ने बताया कि उसे इलाके में दो नाव दिए गए हैं। उन्होंने बताया,'जब तक लेयर डाउन नहीं होगा, तब तक पानी की पूरी निकासी संभव नहीं है। लोगों की आवाजाही के लिए सड़क से जल की निकासी कर दी गई है'। बलराम मंडल ने स्पष्ट किया कि उस इलाके में बड़े पैमाने पर किसान सिंघाड़ा फल की खेती करते हैं। सिंघाड़ा फल के खेत खेती के लिए पानी की जरूरत पड़ती है। किसान वह पानी पैन से लाते हैं। जिसके कारण भी उसे इलाके की स्थिति जलजमाव की बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि 8 केबी के 10 मोटर और 83 केबी के तीन मोटर जल निकासी के लिए लगातार काम कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आगामी 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का किया जाएगा आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली से प्राप्त पत्र के आलोक में आगामी 13 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन पूर्वाहन 10:00 बजे से व्यवहार न्यायालय परिसर, मोतिहारी में किया जाएगा। इस लोक अदालत की तैयारी को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश के आलोक में नितिन त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय पदाधिकारी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए कार्य योजना बनाई गई। उक्त बैठक में सहायक नियंत्रक माप एवं तौल पूर्वी चंपारण, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, श्रम विभाग के पदाधिकारी एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सचिव विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा बताया गया कि सभी सुलहनीय वादों को पदाधिकारीगण चिन्हित करें एवं उसकी सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय को अगले दो दिनों में उपलब्ध करा दें। उनके द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में संधि योग्य लघु आपराधिक मामले, धारा 138 एन आई एक्ट मामले, ट्रैफिक चालान के मामले,वाहन दुर्घटना दावा सिविल सूट, मापतौल, श्रम वाद, बैंक ऋण वसूली मामले, नीलम पत्रवाद इत्यादि से संबंधित मामलों का निपटारा किया जाता है जो बिल्कुल निः शुल्क होता है।

पिपराकोठी झील के पर्यटन विकास को मिली 14.97 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के पिपराकोठी स्थित प्रसिद्ध पिपराकोठी झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग, बिहार सरकार ने 14,97,37,200 रुपये की प्राक्कलित राशि की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्रथम किस्त के रूप में 4 करोड़ रुपये की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति भी दी गई है। विशेष सचिव, पर्यटन विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुरूप जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस योजना का क्रियान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। योजना के तहत झील के चारों ओर चारदीवारी, घाट, पाथवे, पार्किंग, थीमेटिक गेट, कैफेटेरिया व शौचालय ब्लॉक का निर्माण, लैंडस्केपिंग, तालाब की सफाई, हाई मास्ट लाइट तथा बेंच व डस्टबिन जैसी सुविधाओं का अधिष्ठापन प्रस्तावित है। प्रशासन का लक्ष्य है कि पिपराकोठी झील के पर्यटन विकास की यह परियोजना आगामी 12 महीनों के भीतर पूर्ण कर ली जाए, जिससे जिले को एक नया आकर्षक पर्यटन केंद्र प्राप्त हो सके।

वाहन जांच में बाइक चोर पकड़ा, शराब कांड के आरोपी सहित वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम@ सुगौली। सुगौली थाना पुलिस ने बुधवार को वाहन जांच अभियान के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। इसके अतिरिक्त शराबबंदी उल्लंघन और वारंटी अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि वाहन जांच के दौरान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के परसौना निवासी सत्येंद्र सिंह के पुत्र राजेश कुमार को चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इधर शराब कांड से जुड़े एक अन्य मामले में थाना क्षेत्र के मुसवा भेड़ियारी निवासी राकेश सहनी (पुत्र – हरिमोहन सहनी) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं वारंटी अभियुक्त मुसवा निवासी कपिल देव सहनी (पुत्र – देवकी सहनी) को भी छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि अपराध एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सुगौली पुलिस की छापेमारी, 65 पीस अंग्रेजी शराब बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ सुगौली। शराबबंदी कानून के उल्लंघन के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में मंगलवार को पुलिस ने छापेमारी कर 8 पीएम ब्रांड की 65 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। मौके से फुलवरिया निवासी सदिक मियां के पुत्र अकबर मियां को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। वहीं दूसरी ओर चुलाई शराब के एक अन्य मामले में मेहवा गांव निवासी दसई सहनी के पुत्र बबलू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। थाना प्रभारी ने कहा कि शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

एसबीआई सीएसपी में घुसकर अपराधियों ने ऑपरेटर को मारी गोली, लैपटॉप लूटकर फरार

बीएनएम@ तुरकौलिया/मोतिहारी

थाना क्षेत्र के कवलपुर चौक स्थित एसबीआई सीएसपी सेंटर में बुधवार सुबह तीन हथियारबंद अपराधियों ने धावा बोलकर ऑपरेटर को गोली मार दी और लैपटॉप लूटकर फरार हो गए। घायल ऑपरेटर की पहचान कवलपुर गांव के वार्ड नंबर 13 निवासी रमाशंकर सहनी के पुत्र रामपुकार कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ऑपरेटर सुबह करीब दस बजे सीएसपी सेंटर खोलने के बाद नियमित कार्य में लगा हुआ था। यह सीएसपी उसके बड़े भाई अजय सहनी के नाम पर संचालित है, जिसमें वह साथ मिलकर कार्य करता है। सेंटर खुलने के करीब एक घंटे बाद काले रंग की अपाची बाइक पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। दो युवक अंदर घुस गए, जबकि तीसरा बाहर हथियार लेकर खड़ा रहा। अपराधियों ने अंदर पहुंचते ही पिस्टल तानकर पैसे लूटने की कोशिश की, लेकिन ऑपरेटर ने साहस दिखाते हुए विरोध किया। इस दौरान अपराधियों ने उस पर गोली चला दी, जिससे गोली उसके बाएं हाथ के बाजू में लगकर फंस गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन बाहर खड़ा अपराधी हथियार लहराते हुए तीन–चार राउंड हवाई फायरिंग कर भाग निकला। इससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अपराधी सीएसपी केंद्र से लेनोवो कंपनी का लैपटॉप लेकर शंकरसरैया की ओर फरार हो गये। भागने के क्रम में एक अपराधी का काले रंग का गमछा सड़क पर गिर गया। घायल रामपुकार को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से तुरंत रहमानिया मेडिकल सेंटर मोतिहारी में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही सदर डीएसपी दिलीप कुमार व थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, जिसमें पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं। मौके से एक जिंदा कारतूस व चार खोखा भी बरामद किए गए हैं। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मामले के उद्भेदन के लिए सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है और एफएसएल टीम साक्ष्य एकत्र कर रही है। पुलिस का दावा है कि अपराधियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

नगर आयुक्त ने विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर आयुक्त, नगर निगम, मोतिहारी सौरभ सुमन यादव के द्वारा नगर निगम क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास योजनाओं का निरीक्षण बुधवार को किया गया। जिसके तहत वार्ड संख्या 41, वार्ड संख्या 43, वार्ड संख्या 44 तथा वार्ड संख्या 46, वार्ड संख्या 9 तथा वार्ड संख्या 11 में चल रहे विभिन्न योजनाओं को देखा गया जिनमें उनके साथ सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, संबंधित वार्ड पार्षद एवं क्षेत्र की जनता मौजूद थी। इन योजनाओं के निरीक्षण के क्रम में कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया गया तथा ससमय योजना पूर्ण कराने का भी निर्देश दिया गया।

हार्डवेयर व्यवसायी गोलीकांड का लाइनर गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के गायघाट चौक स्थित हार्डवेयर व्यवसायी कमाता मिश्र पर पांच माह पूर्व हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने अहम सफलता हासिल की है। पुलिस ने घटना में लाइनर की भूमिका निभाने वाले विकास कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी कोटवा थाना क्षेत्र के सवाईया गांव निवासी नंदकिशोर यादव का पुत्र है। हरसिद्धि पुलिस ने उसे हरपुर पकड़ी चौक के पास से छापेमारी कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अब जल्द ही कमाता मिश्र की हत्या की सुपारी देने वाले मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि इस मामले में मुख्य शूटर सहित दो अपराधियों को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च को गायघाट चौक पर कमाता मिश्र को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था।

मानवतावाद पर केंद्रित चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

- बाल अधिकारों और सेवा भावना पर जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न
- सहायता, करुणा व सेवा विषयों पर छात्रों ने दी रचनात्मक प्रस्तुति
- विश्व ह्यूमैनिटेरियन दिवस पर बरदाहा में चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता

- बरदाहा विद्यालय में विश्व ह्यूमैनिटेरियन दिवस पर रचनात्मक गतिविधियाँ
- मानवीय मूल्यों पर आधारित प्रतियोगिताओं में बच्चों की सहभागिता

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व ह्यूमैनिटेरियन दिवस के अवसर पर सदर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरदाहा में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता एवं क्विज सत्र आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में मानवतावादी मूल्यों की समझ विकसित करना तथा उन्हें सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बनाना था। क्विज सत्र में विश्व मानवता दिवस का महत्व, मदर टेरेसा का जीवन कार्य एवं अन्य मानवतावादी विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सहायता, सेवा और करुणा जैसे विषयों को अपनी कल्पनाशीलता के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) संस्था से आए हामिद रज़ा एवं सत्यप्रकाश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "यह दिवस उन लोगों को समर्पित है जो मानवीय संकटों में अपने प्राणों की परवाह किए बिना सहायता कार्यों में संलग्न रहते हैं। यह वैश्विक एकजुटता और करुणा का प्रतीक है।" उन्होंने वर्ष 2025 की थीम- "वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना" की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के प्रधानाध्यापक , फोकल टीचर विनय कुमार, एवं शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा प्रतियोगिताओं में अंजित कुमार,मुकेश कुमार राधा कुमारी,नेहा कुमारी,मनीष कुमार, अंजली कुमारी, अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

71 वीं वाहिनी द्वारा शहीदों के याद में खेल प्रतियोगिता का आयोजन एक अनुकरणीय कदम

बीएनएम@ मोतिहारी

71 वीं वाहिनी निरंतर खेल टूर्नामेंट प्रतियोगता शहीदों के याद में कराती रहती है जिन्होंने देशहित में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। अगस्त माह में शहीद नीरज छेत्री फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमे अंतर समवायों एवं वाहिनी मुख्यालय के जवानों द्वारा बढ़-चढ़ का हिस्सा लिया गया था। उल्लेखनीय है कि शहीद आरक्षी नीरज क्षेत्री का जन्म 24 फरवरी 1991 को ग्राम करिवील नेपाली, पोस्ट करबारीपायर, थाना-हेलम, जिला सोनितपुर (असाम) में हुआ था। इस बहादुर जवान ने कुल 67 ऑपरेशन में अपनी भागीदारी दर्ज की, जिसमे कई प्रकार के हथियार और गोलाबारूद बरामद किए गये थे। 02 जून 2019 को लगभग 4 बजे दुमका के रानेश्वर थाना क्षेत्र के कठलिया इलाके में सशस्त्र सीमा बल 35वीं वाहिनी दुमका एवं स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दरम्यान भाकपा माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमे बहादुर नीरज छेत्री शहीद हो गए थे। इस अल्प अवधि में उन्होंने अपनी बहादुरी और पराक्रम का सर्वोतम नमूना पेश किया जो हम सब के लिए अनुकरणीय हैं। इस वीरतापूर्ण कार्य एवं आपने सर्वोच्च बलिदान के लिए भारत सरकार ने 6 जनवरी 2022 को वीर शहीद आरक्षी सामान्य नीरज छेत्री को मरणोपरांत पुलिस मैडल फॉर गैलेंट्री से सम्मानित किया गया था। उनका वीरतापूर्ण कार्य हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। हम बहादुर सैनिक कि वीरता और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। खेल प्रतियोगिता होने से जवानों के बीच तनाव कम होता है साथ ही उनकी फिटनेस बनी रहती है। प्रतियोगिता में शामिल होने से जवानों का आत्मबल और उत्साह बढता है। इससे पूर्वे माह में वाहिनी मुख्यालय में ''शहीद अमल सरकार हैंड बॉल प्रतियोगिता", ''शहीद विजय सिंह खो-खो प्रतियोगिता", ''शहीद सिकंदर यादव कबड्डी प्रतियोगिता" आयोजित किया गया था जिसमे वाहिनी मुख्यालय एवं सीमा चौकियों के बलकर्मियों ने बढ-चढ़ के भाग लिया था। वह्गिनी के सीमावर्ती कार्यक्षेत्र में ग्रामीणों, नेपाल ए.पी. एफ. और एस.एस.बी. का शहीद भरत प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन माह जनवरी 2025 में किया गया था। जिसमे सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीण फुटबॉल टीमों ने बहुत ही उमंग और उत्साह से हिस्सा लिया था। प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट ने बताया कि शहीद की स्मृति में खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन उनको सच्ची श्रद्धांजलि और एक सराहनीय कदम है। देश की सीमाओं पर हम सभी की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वालों शहीदों को जिस भी प्रकार से नमन किया जा सके। हम सभी को करना चाहिए। उन्होंने खेलों की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य और मोटापा विरोधी अभियान में भी बहुत ही कारगर सिद्ध हो रहा है। आज खेलने वाला खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बल पर अपने परिजनों से लेकर देश तक को गौरवान्वित कर सकता है।

ऋण वसूली को लेकर 25 से 30 अगस्त तक कैंप, बकायेदारों को ससमय भुगतान का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन एवं शिक्षा ऋण योजनान्तर्गत बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम, पटना द्वारा वितरित ऋण की राशि समय पर जमा नहीं करने वाले लाभुकों को बकाया राशि शीघ्र जमा करने को कहा गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, पूर्वी चंपारण द्वारा जारी सूचना के अनुसार बकाया किस्तों की वसूली के लिए 25 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक ऋण वसूली कैंप का आयोजन जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, मोतिहारी में किया जाएगा। कैंप का उद्देश्य लाभुकों को सुविधा उपलब्ध कराना एवं उन्हें समय से ऋण राशि जमा करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान नहीं करने वाले ऋणधारकों के विरुद्ध बकाया राशि पर ब्याज एवं दंड ब्याज के साथ-साथ दीवानी एवं फौजदारी कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही कानूनी कार्रवाई के दौरान होने वाले सभी व्यय की वसूली भी संबंधित ऋणी से की जाएगी। यह भी स्पष्ट किया कि वसूली कैंप के दौरान ऋणधारकों द्वारा दिया गया कोई भी स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अतः सभी संबंधित लाभुकों से आग्रह है कि समय रहते अपनी बकाया किस्तों का भुगतान कर लें।

आगामी 28 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा को बनाया जाएगा सफल: विधायक

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय में छात्र राष्ट्रीय जनता दल पूर्वी चंपारण का महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य आगामी 28 अगस्त 2025 को वोटर अधिकार यात्रा को सफल बनाना है। इस बैठक में छात्र पंचायत अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, कॉलेज अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अध्यक्ष के साथ छात्र राजद के तमाम कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे। इस बैठक की अध्यक्षता जिला राष्ट्रीय जनता दल छात्र संघ के अध्यक्ष मनदीप यादव ने किया। मंच का सफल संचालन छात्र राजद विश्वविद्यालय अध्यक्ष भीम राम ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया गठबंधन के संयोजक विधायक मनोज कुमार यादव थे। इस अवसर पर जिला राजद अध्यक्ष -सह- विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि मोतिहारी सत्याग्रह की भूमि रही है और अब यही भूमि वोटर अधिकारी यात्रा के जरिए फिर से लोकतांत्रिक आंदोलन का गवाह बनेगी। हम सभी मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे की राहुल गांधी या तेजस्वी यादव का स्वागत ऐतिहासिक हो तथा यह सभा चंपारण की जनता के संकल्प का प्रतीक बने। 28 अगस्त 2025 को राहुल गांधी व तेजस्वी यादव का यात्रा एनडीए सरकार के ताबूत में अंतिम कील होगा। तेजस्वी यादव ने बिहार की राजनीति में युवाओं और गरीबों की आवाज को मजबूती से रखा है। भाजपा संविधान को खत्म करने में लगी है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों मिलकर न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में युवाओं किसानों और वंचित वर्गों के भविष्य की नई दिशा में तय कर रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह विधायक डॉ. शमीम अहमद ने कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान पर हमला हो रहा है जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त किया नहीं जा सकता है। भाजपा चुनाव आयोग के द्वारा वोट चोरी करवाना चाह रही है। हम सब मिलकर सड़क से सदन तक आवाज उठा रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र राम, संजय निराला, अरुण कुशवाहा, अवनीश यादव, कुमार शिवम शाह, मुन्ना पंडित, मीडिया प्रभारी जावेद अहमद, मुन्नी लाल यादव, मनोज यादव, सूरज राम, राकेश यादव, मिथिलेश यादव, लालू कुमार, सोनेलाल साहनी, सचिन कुमार, भूषण यादव, संजय यादव, मनजीत भगत, आनंद बिहारी, श्याम सुंदर, मो. जलाल, निशांत गुप्ता, मो. नौशाद, राजा पांडे, अंकुर कुमार रंजन, कुमार आलोक यादव, रणधीर कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

उर्वरक पर जीरो टॉलरेंस, अनुमंडल प्रशासन ने थोक विक्रेता के प्रतिष्ठान की की जांच

बीएनएम@ मोतिहारी

उर्वरक की कालाबाजारी एवं अनियमितता पर रोक लगाने के उद्देश्य से सदर अनुमंडल प्रशासन द्वारा सघन निगरानी अभियान जारी है। इसी क्रम में बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी श्वेता भारती एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार ने संयुक्त रूप से थोक उर्वरक विक्रेता मे० एम०के० फर्टिलाइजर्स, मोतिहारी के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के सभी अभिलेखों की जांच की गई। साथ ही iFMS पोर्टल पर प्रदर्शित स्टॉक की तुलना गोदाम में भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरक से की गई। जांच के क्रम में पाया गया कि पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और गोदाम में उपलब्ध उर्वरक मात्रा एकसमान है। इसके अतिरिक्त जिले के खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को बेची गई उर्वरक की रैंडम जांच की गई। संबंधित खुदरा विक्रेताओं से मोबाइल कॉल के माध्यम से क्रय संबंधी जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्होंने पुष्टि की कि उर्वरक एम.के. फर्टिलाइजर्स से ही क्रय किया गया है। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सदर ने प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर मृगांक किशोर को निर्देश दिया कि प्रतिष्ठान का संचालन उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के अनुरूप ही सुनिश्चित किया जाए। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

40.680 लीटर विदेशी शराब बरामद – एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज। राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के बावजूद शराब तस्कर लगातार सक्रिय हैं। इसी बीच पहाड़पुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 40.680 लीटर विदेशी शराब बरामद कर एक कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने बतरौलिया गांव में घेराबंदी कर एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल पर रखे बोरे से 176 पीस 8 पीएम फ्रूटी और 12 पीस रॉयल स्टेज व्हिस्की बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 40.680 लीटर बताई गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चढ़रहिया बीन टोली निवासी राजा कुमार के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार वह आदतन शराब तस्कर है और पूर्व में भी अरेराज पुलिस द्वारा शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। हाल ही में वह किशोर न्यायालय से जमानत पर रिहा हुआ था। पुलिस ने शराब के साथ उसके वाहन को भी जब्त कर लिया है और अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

बीएनएम@ बगहाः लोक जन शक्ति पार्टी रा के जिला के प्रधान महासचिव निखिल रंजन पांडेय उर्फ नन्हें पांडेय ने यूरिया खाद वितरण की गड़बड़ी पर उच्च स्तरीय जांच की मांग सरकार से की है। उन्होंने कहा है कि खुले आसमान के नीचे किसान यूरिया खाद लेने पर विवश है, तथा खाद के लिए रात गुजार रहे हैं। जो किसानों के लिए गंभीर मुद्दा है। समाजसेवी श्री पांडेय ने कहा कि चंपारण के किसान कई दिनों से सड़क पर, खुले आसमान के नीचे, यूरिया खाद पाने के लिए रातें गुजार रहे हैं। तथा अप्रैल से जुलाई 2025 के बीच फर्जी आधार कार्ड प्रविष्टियों के जरिये बड़े पैमाने पर खाद वितरण में गड़बड़ी हुई है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच आवश्यक है। यूरिया की मांग के अनुपात में पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही, जिससे किसानों की फसल प्रभावित हो रही है। तथा ब्लॉक और डीलर स्तर पर धांधली किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ खाद की किल्लत नहीं, बल्कि किसानों के सम्मान और जीवनयापन का सवाल है। दोषी अधिकारियों, डीलरों और संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। तथा किसानों के साथ हुए अन्याय की भरपाई और पारदर्शी वितरण प्रणाली लागू की जाए।

मां बेटे के साथ मारपीट

बीएनएम@ जमुई /झाझा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ढिबा गांव में शराब के नशे में कुछ लोगों ने मां बेटा के साथ मारपीट कर घायल कर देने का मामला मंगलवार की रात 10 बजे सामने आया। घायल की पहचान राजन कुमार और उसकी मां बेबी देवी के रूप में हुई जिसका इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में हुआ। राजन ने बताया कि दीनानाथ मांझी का बेटा मंटु, जितेंद्र, साजन एवं एक अन्य ने नशे की हालात में गांव में किसी से झगड़ा कर रहा था और उसके बाद उक्त सभी लोग मेरे घर पर लाठी डंडे, टांगी लेकर आया और मुझे और मेरी मां को लाठी डंडे, ईट से मारने लगा। घटना की जानकारी घायलों द्वारा झाझा थाना को भी दिया गया।

अज्ञात युवती का शव मिला

बीएनएम@ जमुई/ झाझा। झाझा नारगंजो मुख्य रेलखंड स्थित चिरैयापहाड़ी के पास एक अज्ञात युवती का शव बुधवार को मिला जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दरअसल रेलवे ट्रेक की मरम्मती करने वाले रेलकर्मी की नजर चिरैयापहाड़ी के पास अप लाइन के पोल संख्या 357/9-11 के पास युवती का शव क्षत विक्षत अवस्था मे दिखाई दिया तो हो हल्ला मचाते हुए झाझा स्टेशन मास्टर को सूचना दिया गया जिसके बाद स्थानीय थाना को सूचना दी गई। सूचना के आधार पर पुअनि दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और शव की शिनाख्त को लेकर अगल बगल के गांव में पता लगवाया लेकिन शव की शिनाख्त नही हो सका। इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम में सदर अस्पताल जमुई भेज कर शव की शिनाख्त को लेकर आगे की कार्रवाई करने में जुट चुकी है।

राजद को बड़ा झटका : पूर्व प्रदेश महासचिव एआईएम्आईएम् में हुए शामिल

बीएनएम@ सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): राजद को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब पार्टी के पूर्व प्रदेश महासचिव और सिमरी बख्तियारपुर के सक्रिय युवा नेता मीर रिजवान ने रविवार को पटना स्थित AIMIM के प्रदेश कार्यालय में अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।सदस्यता ग्रहण के साथ ही उन्हें सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा का कन्वेनर नियुक्त किया गया।इस मौके पर AIMIM के बिहार प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल इमान ने कहा कि "मीर रिजवान जैसे जमीनी नेता के जुड़ने से पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

अनंत चतुर्दशी को लेकर तैयारी तेज, अरेराज एसडीएम ने की बैठक

बीएनएम@ अरेराज

अनंत चतुर्दशी पर्व के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर अरेराज अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बताया गया कि यह पर्व 03 से 06 सितम्बर 2025 तक आयोजित होगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पकड़ीदयाल अनुमंडल के बेलवा घाट (ललबेकिया नदी) से पवित्र जल लेकर अरेराज पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। भीड़ प्रबंधन को लेकर प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। प्रवेश और निकास के लिए एकतरफा मार्ग निर्धारित किया गया है, जबकि बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। नदी किनारे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रस्सी एवं फेंसिंग लगाई जाएगी। भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने हेतु स्वयंसेवक और एनसीसी/स्काउट्स की सेवाएं ली जाएंगी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए नगर क्षेत्र में यातायात डायवर्जन लागू रहेगा तथा नगर क्षेत्र के बाहर निर्धारित स्थलों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। पर्व अवधि में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। संवेदनशील बिंदुओं पर एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को तैनात रखा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर मंदिर परिसर एवं मुख्य मार्गों पर पेयजल स्टॉल और टैंकर लगाए गए हैं। नगर पंचायत द्वारा अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है तथा नियमित सफाई सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्थायी शिविर, चिकित्सक दल और एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए अस्थायी शेड तैयार किए जा रहे हैं। विद्युत विभाग ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की है और वैकल्पिक जेनरेटर व्यवस्था भी की गई है। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आपसी समन्वय से कार्य करते हुए पर्व के सफल आयोजन को सुनिश्चित करें। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से शांति एवं अनुशासन बनाए रखने, प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्गों का पालन करने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में निकटतम प्रशासनिक अधिकारी या नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने की अपील की है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, डिस्पैच सेंटर चयन को जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम@ रक्सौल

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद तथा अन्य पदाधिकारियों के साथ रक्सौल विधानसभा के प्रस्तावित डिस्पैच सेंटर के लिए हवाई अड्डा मैदान स्थित एटीसी भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भवन प्रमंडल के सहायक अभियंता के साथ संयुक्त रूप से अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल स्थल का विस्तृत परीक्षण करें और व्यवस्था उपयुक्त पाए जाने पर मरम्मत कार्य कराते हुए इसे रक्सौल विधानसभा के डिस्पैच सेंटर के रूप में चिह्नित करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डा मैदान में पार्किंग हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है और यहां ट्रैफिक की समस्या भी नहीं होगी। साथ ही बिजली, पेयजल एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का प्रबंध समय रहते किया जा सकता है।

राजस्व महाअभियान की सफलता के लिए एसडीओ ने की बैठक

बीएनएम@ अरेराज

राजस्व महाअभियान को सफल बनाने को लेकर अरेराज अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी—अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी (मनरेगा), बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ), प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीएओ) सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य बिहार सरकार द्वारा संचालित राजस्व महाअभियान की प्रगति की समीक्षा करना तथा अभियान को सफल बनाने हेतु सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अंचलाधिकारी की सक्रिय भूमिका में पूर्ण सहयोग प्रदान करें और अपने–अपने विभागीय संसाधनों एवं कार्मिकों के माध्यम से अभियान की सफलता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि इस कार्यक्रम को प्राथमिकता के साथ लें और जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए राजस्व महाअभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दें।

जिलाधिकारी व एसपी ने एसएसबी के साथ की अहम बैठक, नो मैन्स लैंड को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश

बीएनएम@ रक्सौल

47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल कैंप में जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसबी कमांडेंट, डिप्टी कमांडेंट के अलावा अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, रक्सौल अंचलाधिकारी शेखर राज सहित आदापुर, रामगढ़वा एवं छौड़ादानो अंचलाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सशस्त्र सीमा बल की भूमि के दाखिल-खारिज एवं भूमि अधिग्रहण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। सभी संबंधित पदाधिकारियों ने विभागीय प्रगति से जिला प्रशासन को अवगत कराया। एसएसबी की ओर से फायरिंग रेंज के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित किये जाने का अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित नो मैन्स लैंड क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ। इस संबंध में जिलाधिकारी ने रक्सौल के अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित भूमि सुधार उपसमाहर्ता तथा संबंधित अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एसएसबी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर नो मैन्स लैंड से अविलंब अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दृष्टिगत सीमा पार से होने वाली अवैध नकदी, शराब, महंगी धातुओं तथा मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने हेतु एसएसबी से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया।

लायन्स क्लब ऑफ सेन्ट्रल सिटी और नवदीप एकेडमी द्वारा रमाइलो तीज तथा दर खाने कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ रक्सौल

लायन्स क्लब ऑफ सेन्ट्रल सिटी एवं नवदीप एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में "रमाइलो तीज तथा दर खाने कार्यक्रम" बुधवार को बीरगंज स्थित होटल विश्वा में हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन्स क्लब ऑफ सेन्ट्रल सिटी की अध्यक्ष एवं नवदीप एकेडमी की संचालिका सुशिला साह ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक डिपार्टमेंट चीफ़ मीना टिबडेवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पत्रकार जगत राय एवं नवदीप एकेडमी की को–ऑर्डिनेटर गीता साह सहित कई सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में लायन्स क्लब के पदाधिकारी, महिला सदस्य, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं महिला अभिभावकों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। अतिथियों ने तीज पर्व के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व महिलाओं के समर्पण, सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव तथा भाईचारे का प्रतीक है। कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न मनोरंजनात्मक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। साथ ही महिलाओं के लिए बैलून गेम सहित कई रोचक खेलों का भी आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवदीप एकेडमी की शिक्षिका नेहा अग्रवाल ने किया। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल उत्साह और उल्लास का वातावरण तैयार करते हैं, बल्कि आपसी मित्रता को भी और मजबूत बनाते हैं।

शराब मामले में छः महीने से फरार आरोपी को मलाही पुलिस ने दबोचा

बीएनएम@ अरेराज/मलाही

शराबबंदी कानून को प्रभावी रूप से लागू करने को लेकर चल रहे अभियान के तहत मलाही थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना कांड संख्या 58/25 (दिनांक 18.02.25) के नामजद आरोपी दयानंद सहनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नगदहा गांव निवासी रामायण सहनी का पुत्र दयानंद सहनी पिछले छह महीनों से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपने घर के आसपास छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही मलाही थाना की पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र की घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(a) के तहत कार्रवाई की गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। मलाही थानाध्यक्ष करण सिंह ने कहा कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

रक्सौल के डॉ. चिराग अग्रवाल ने नीट-पीजी 2025 में ऑल इंडिया 373वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया बिहार का मान

बीएनएम@ रक्सौल

शहर के श्रीराम जानकी मंदिर रोड निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी स्व. गोपीराम धानोठिया के पौत्र तथा नरेश अग्रवाल एवं रेशमा अग्रवाल के पुत्र डॉ. चिराग अग्रवाल ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (पीजी)-2025 में ऑल इंडिया रैंक 373 प्राप्त कर रक्सौल सहित पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से परिवार सहित शहर में खुशी की लहर दौड़ गई है और बधाइयों का तांता लगा हुआ है। बचपन से मेधावी रहे डॉ. चिराग ने प्रारंभिक शिक्षा वेल्हम बॉयज, देहरादून तथा डीपीएस बसंत कुंज (दिल्ली) से प्राप्त की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, बेलगांव से एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाया। इस अवसर पर उनके ताऊ तथा लायन्स क्लब रक्सौल के पूर्व अध्यक्ष गणेश धानोठिया ने बताया कि डॉ. चिराग ने बचपन से ही देश सेवा के उद्देश्य से चिकित्सा क्षेत्र में जाने का संकल्प लिया था और आज उसकी पूर्ति कर पूरे परिवार का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि चिराग की यह उपलब्धि न केवल परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि शहर के विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। डॉ. चिराग को बधाई देने वालों में लायन्स क्लब रक्सौल के अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल कुमार सर्राफ, रजनीश प्रियदर्शी, लायन शंभु प्रसाद चौरसिया, लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, लायन संजय गुप्ता, लायन बसंत जालान, महेश कुमार अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अजय मस्करा, ध्रुव सर्राफ, दिनेश अग्रवाल, डॉ. सुजीत कुमार, लायन डॉ. राजीव रंजन, लायन डॉ. सुशील सिंह, लायन डॉ. प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।

अधेड़ महिला की गोली मारकर हत्या, पुलिस ने एसआईटी का किया गठन

बीएनएम@ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के निमुईया गांव में गुरुवार देर रात एक अधेड़ महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान उमाशंकर प्रसाद की पत्नी चंदा देवी (60 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। परिजनों के अनुसार अपराधियों का निशाना मृतका का पुत्र था। परिजनों का कहना है कि बेटे पर कर्ज होने के कारण संभवतः अपराधी उसको मारने आए होंगे, लेकिन घर का दरवाजा खोलने के दौरान मां अपराधियों की गोली का शिकार हो गई। परिजनों को आशंका है कि अपराधियों ने मृतका को पुत्र समझकर निशाना बनाया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर डीएसपी दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए, वहीं खोजी कुत्ते की सहायता से भी सुराग तलाशने की कोशिश की गई, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। ग्रामीणों के अनुसार मृतका के पट्टीदार में करीब 11 दिन पूर्व एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी और गुरुवार को श्राद्ध कार्यक्रम चल रहा था, इसी दौरान यह घटना घटित हो गई। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, घटना के उद्भेदन के लिए मोतिहारी एसपी के निर्देश पर सदर डीएसपी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं है। इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में बहस की मांग कर रहे हैं। अगर 25 विपक्षी दलों के तकरीबन 300 सांसद अपनी शिकायतें बताने के लिए निर्वाचन आयोग के पास जाना चाहते थे, उन्हें बीच में रोकना किसी रूप में लोकतांत्रिक कदम नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि ये सभी निर्वाचित सांसद हैं, जो देश के एक बड़े जनमत का प्रतिनिधित्व करते हैं। संसद भवन से शुरू हुआ मार्च किसी ऐसे समूह का नहीं था, जिसके अनियंत्रित हो जाने और जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी होने का अंदेशा होता। लेकिन केंद्र और निर्वाचन आयोग ने जो नजरिया अपनाया, उससे लगता है कि वे विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया में वैध स्टेकहोल्डर (हितधारक) नहीं मानते। वे उनकी बातों या शिकायतों को सुनने योग्य भी नहीं समझते! वरना, बिहार में मतदाता सूची के हुए विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में संसद में बहस की मांग केंद्र नहीं ठुकराता और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष संवैधानिक संस्था के रूप में व्यवहार करने के बजाय विपक्षी दलों के प्रति हिकारत भरा रुख नहीं अपनाता। इसी नजरिए का संकेत है कि सोमवार को एक तरफ निर्वाचन आयोग ने सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने के मामले में तकनीकी रुख अपनाया, तो दूसरी तरफ प्रशासन ने बैरिकेडिंग करके और सांसदों को हिरासत में लेकर एक तरह के दमनकारी रुख का परिचय दिया। मुद्दा यह है कि देश की राजधानी में अगर निर्वाचित सांसदों को प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं है, तो फिर आम नागरिक अपने लिए क्या अपेक्षा रख सकते हैं? स्पष्टतः असहमति के स्वर को दबाना भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में इस मुद्दे पर बहस की मांग कर रहे हैं। सत्ता पक्ष एवं संवैधानिक संस्थाओं का यह दायित्व होता है कि वे ऐसे संदेहों के निवारण के लिए विश्वसनीय कदम तुरंत उठाएं।

ब्रिक्स और अमेरिका : भारत ने बदल दिया वैश्विक शक्ति समीकरण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया के शक्ति समीकरण अब तेजी से बदलते जा रहे हैं। जहां एक ओर अमेरिका दशकों से अपने वैश्विक प्रभुत्व के बल पर खुद को नीति निर्धारण का एकमात्र केंद्र समझता रहा है, वहीं दूसरी ओर अब भारत जैसे देश बिना टकराव के इस वर्चस्व को चुनौती दे रहे हैं। खासतौर से ब्रिक्स के मंच पर भारत की जो नई रणनीति सामने आई है, उसने न केवल अमेरिका की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि उसे अपने कई फैसलों पर खुलकर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर भी कर दिया है। इससे साफ समझ आता है कि भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि वह एक वैश्विक नीति निर्माता के रूप में भी अपनी अहम भूमिका निभाता हुआ दिखता है। जिसमें स्वतंत्र विदेश नीति, वित्तीय संप्रभुता और बहुपक्षीय साझेदारी है। एक नजर देखा जाए तो अमेरिका ने बीते वर्षों में बार-बार यह प्रदर्शित करता रहा है कि वह केवल अपने हितों की पूर्ति के लिए गठबंधन बनाता है और जैसे ही कोई देश उसके हितों से अलग राह पकड़ता है, तो वह आर्थिक दबाव, प्रतिबंध या कूटनीतिक अलगाव का रास्ता अपनाता है। भारत के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज (जीएसपी) से बाहर कर दिया और एकतरफा 50% टैरिफ लगा दिया। यह कदम न केवल अनुचित है बल्कि इससे यह भी स्पष्ट होता है कि अमेरिका अपनी व्यापार नीति में अब सहयोग नहीं, दबाव को प्राथमिकता दे रहा है। भारत ने इस चुनौती को स्वीकार किया और प्रतिक्रिया में जो रणनीति अपनाई, वह आज वैश्विक चर्चा का विषय बन चुकी है। भारत ने न केवल अमेरिका को आर्थिक स्तर पर बल्कि आज कहना होगा कि कूटनीतिक स्तर पर भी जवाब दे दिया है, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि वह किसी भी दबाव में नहीं आएगा, उसके लिए अपने देशवासियों का हित सर्वोपरि है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है। भारत ने बार-बार यह रेखांकित किया कि ऊर्जा सुरक्षा उसके लिए प्राथमिकता है और वह किसी के कहने पर अपनी आवश्यकताओं से समझौता नहीं करेगा। यही नहीं, भारत ने वोस्ट्रो अकाउंट की नीति को बढ़ावा देकर स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का जो मार्ग खोला है, उसे आप डॉलर की वैश्विक पकड़ को चुनौती देने की दिशा में एक गंभीर और व्यावहारिक कदम कह सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों को वोस्ट्रो खाता खोलने की अनुमति देना, जहां भारतीय रुपये में व्यापार संभव होता है, यह संकेत है कि भारत अब डॉलर पर निर्भरता से मुक्त होने की प्रक्रिया में गंभीरता से जुट गया है। यहां समझ लें कि वोस्ट्रो खाता एक प्रकार का बैंक खाता है जो एक घरेलू बैंक द्वारा किसी विदेशी बैंक की ओर से स्थानीय मुद्रा में रखा जाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी अमेरिकी बैंक का भारतीय बैंक में वोस्ट्रो खाता है, तो इसका मतलब है कि भारतीय बैंक अमेरिकी बैंक की ओर से रुपये रखता है। वस्तुतः यह नीतिगत बदलाव अकेले भारत के लिए नहीं, बल्कि उन सभी विकासशील देशों के लिए प्रेरणा है जो अमेरिका और पश्चिमी वित्तीय संस्थानों की शर्तों पर मजबूरी में व्यापार करते आए हैं। जब भारत ने रूस, श्रीलंका और यूएई के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार प्रारंभ किया तो अमेरिका को इस बात का एहसास हुआ कि भारत अब केवल व्यापार नहीं, बल्कि नई आर्थिक सोच का नेतृत्व कर रहा है। 2024 में ब्रिक्स का विस्तार हुआ और नए सदस्य देश इस मंच से जुड़े। ईरान, अर्जेंटीना, मिस्र, यूएई जैसे देशों का ब्रिक्स में शामिल होना यह बताता है कि अब यह संगठन केवल पांच देशों का आर्थिक समूह नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक दक्षिण की राजनीतिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बन चुका है। भारत, ब्रिक्स का सह-संस्थापक होने के नाते इसमें केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। नई वैश्विक वित्तीय प्रणाली, ब्रिक्स पे (BRICS Pay), साझा डिजिटल मुद्रा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे विषयों पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट, व्यावहारिक और सहयोगात्मक रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत ब्रिक्स के मंच का उपयोग अमेरिका विरोधी मुहिम चलाने के लिए नहीं कर रहा, बल्कि वह इसे एक सकारात्मक विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। यह भारत की परिपक्वता है कि वह टकराव की भाषा की बजाय संवाद और समावेशिता के माध्यम से अमेरिका को यह समझा रहा है कि अब विश्व व्यवस्था एकध्रुवीय नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय हो चुकी है। ब्रिक्स की नई मुद्रा, स्थानीय भुगतान प्रणाली और वैश्विक वित्तीय संस्थाओं के विकल्प के निर्माण की दिशा में भारत का योगदान इस बदलाव का गवाह है। यही कारण कि आज अमेरिका के कई अधिकारी सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार चुके हैं कि भारत के साथ अब रिश्तों को नई दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह न तो किसी के खिलाफ है और न ही किसी के पक्ष में, वह केवल अपने राष्ट्रहित में खड़ा है। यही संदेश भारत ने ब्रिक्स मंच के माध्यम से भी दिया है।

आज जब ब्रिक्स वैश्विक अर्थव्यवस्था के 25 ट्रिलियन डॉलर और लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, तो उसकी नीति और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से भारत 1980 के दशक से बहुत ज्यादा पीड़ित है। पाकिस्तान के इस छद्म युद्ध की वजह से 1999 में कारगिल में पूर्ण युद्ध की नौबत आ चुकी है और पहलगाम हमले के जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी युद्ध जैसी ही स्थिति पैदा हो गई। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 6 और 7 मई, 2025 की दरमियानी रात की। उसकी अगली ही रात से लगातार तीन दिनों तक पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले शुरू कर दिए। रिहायशी इलाकों और धर्म स्थलों को चुन-चुन कर निशाना बनाने की कोशिशें कीं। लेकिन, इन चारों दिनों में भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान और उसकी जमीन पर पल और बढ़ रहे आतंकी संगठनों को संतुलित और समुचित सजा दी है, उसे पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तानी फौज, आतंकी संगठनों के लिए भुला पाना आसान नहीं होगा। यही नहीं, इन दिनों में भारतीय सशस्त्र सेना ने जिस शौर्य और धैर्य का परिचय दिया है; और भारत सरकार ने जो कूटनीतिक सूझ-बूझ और दूरदर्शिता दिखाई है, उससे पूरे विश्व को यह संदेश गया कि नया भारत न सिर्फ सक्षम है, बल्कि उसकी एकता और अखंडता की जड़ें इतनी मजबूत हैं कि उसकी संप्रभुता की ओर आंख उठाकर देखना भी तबाही का मंजर ला सकता है। भारतीय रणनीति पर सभी की नजरें हैं। भारत इस मंच पर स्थिरता, विकास और सहयोग का संदेश लेकर उपस्थित है, जो अमेरिका जैसी एकतरफा नीतियों से भिन्न है। भारत की रणनीति केवल अर्थनीति या विदेश नीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भू-राजनीतिक दृष्टिकोण को भी नई दिशा दे रही है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया में भारत की बढ़ती कूटनीतिक और निवेश उपस्थिति ने उसे वैश्विक दक्षिण का एक नैतिक नेता बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक मंचों पर सक्रियता, विदेश मंत्री एस. जयशंकर की कूटनीतिक स्पष्टता और वैश्विक मंचों पर भारत के दृष्टिकोण की आत्मनिर्भरता, यह सब दर्शाता है कि भारत अब किसी का पिछलग्गू नहीं रहा। यह भारत की कूटनीतिक परिपक्वता है कि वह अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप सभी के साथ अपने हितों के अनुसार संतुलन बना रहा है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत अब नीतियों का क्रियान्वयन करने वाला देश नहीं, बल्कि नीति निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने वाला देश बन चुका है। यदि अमेरिका भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी चाहता है, तो उसे परस्पर सम्मान, समानता और सहयोग के सिद्धांतों पर आधारित नई रणनीति तैयार करनी होगी। भारत को बार-बार परखना, दबाव बनाना और प्रतिबंधों की धमकी देना अब काम नहीं करेगा। भारत अब उस स्थिति में है, जहां वह अपनी शर्तों पर वैश्विक निर्णयों का भागीदार बन रहा है। वस्तुतः आज कहना यही होगा कि भारत की नीतियों ने केवल अमेरिका को जवाब नहीं दिया है, बल्कि वैश्विक रणनीति को एक नई भाषा दी है, वह है आत्मसम्मान, संतुलन और संप्रभुता की भाषा। यह भारत की सोच की परिपक्वता ही है कि वह दुनिया को बिना लड़े, बिना धमकाए और बिना अस्थिरता फैलाए एक नई दिशा दिखा रहा है। निश्चित ही वह युग बीत गया जब नीतियाँ वाशिंगटन से बनती थीं और दिल्ली में लागू होती थीं। आज भारत नीति निर्माता के रूप में दिखता है, ब्रिक्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें वह न केवल अपने लिए, बल्कि उन तमाम देशों के लिए जो वैकल्पिक, न्यायसंगत और बहुपक्षीय विश्व व्यवस्था का सपना देख रहे हैं उनके लिए भारत आज एक उम्मीद बनकर विश्व के सामने आया है।

त्रासदी जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़

अजीत द्विवेदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गांव के बह जाने की घटना का वीडियो भयावह है। पूरा देश उस वीडियो को देख रहा है और चिंतित हो रहा है कि आखिर यह सब क्या हो रहा है! जिनको जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़ के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है वे भी कह रहे हैं कि अब कुछ करना होगा। हालांकि यह तात्कालिक प्रतिक्रिया है श्मशान वैराग्य की तरह। क्योंकि अगर सरकारों और नागरिक समाज को चेत जाना होता तो 2013 का केदारनाथ हादसा उसके लिए बहुत था। उसके बाद तो पहाड़ों पर खास कर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में सब कुछ रोक कर प्रकृति के साथ की गई ज्यादतियों को ठीक करने की मुहिम शुरू हो गई होती। आखिर उस पैमाने की त्रासदी तो पहाड़ों में कभी देखी नहीं गई थी। यह जरूर है कि 1952 में भयानक बारिश के बाद उत्तराखंड का एक पूरा कस्बा तबाह हो गया था लेकिन 2013 के केदारनाथ हादसे में जितने लोग मरे उतने तब भी नहीं मरे थे। केदारनाथ हादसे में आधिकारिक रूप से छह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और करीब चार हजार लोग अब भी लापता हैं। लेकिन हम लोगों ने उससे भी कोई सबक नहीं लिया। थोड़े दिन के शोक और गुस्से के बाद सब कुछ पहले की तरह चलता रहा। अब उत्तरकाशी में खीरगंगा नदी के ऊपर बादल फटा या हैंगिंग ग्लेशियर टूट कर गिर गया, जिससे अचानक आई बाढ़ के पानी के साथ आए मलबे में पूरा धराली कस्बा बह गया तो फिर चौतरफा चर्चा शुरू हो गई है और हर व्यक्ति कहने लगा है कि प्रकृति से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। लेकिन सवाल है कि क्या अब खिलवाड़ रूक जाएगा? क्या पहाड़ों में पनबिजली की परियोजनाएं नहीं बनेंगी? क्या नदियों का रास्ता मोड़ उनके प्राकृतिक प्रवाह को बाधित नहीं किया जाएगा? क्या पहाड़ों पर बड़े बड़ बांध नहीं बनाए जाएंगे? क्या पहाड़ों पर टूरिस्ट स्पॉट नहीं विकसित होंगे और नए रिसॉर्ट नहीं बनेंगे? क्या पहाड़ों में विकास की गतिविधियों के नाम पर अनाप-शनाप पेड़ों की कटाई बंद हो जाएगी? क्या अंधाधुंध खनन बंद हो जाएगा? लिख कर रख लें, इसमें से कुछ नहीं होगा। धराली की घटना के बाद भी सब कुछ पहले की तरह चलता रहेगा। थोड़े दिन का पॉज होगा और उसके बाद फिर वही किस्सा। चाहे जोशीमठ में मकानों में दरार आ जाए या कहीं सुरंग धंस जाए, कहीं बादल फटे, कहीं भूस्खलन हो या कहीं बाढ़ आ जाए उससे नदियों, पहाड़ों, जंगलों का अंधाधुंध शोषण करने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। सबको पता है कि अचानक पहाड़ों पर इतने बादल क्यों फटने लगे हैं और सबको यह भी पता है कि इतना भूस्खलन क्यों हो रहा है। लेकिन सबने आंखें मूंद रखी हैं। जिनकी जिम्मेदारी इसको ठीक करने की है वे अंधाधुंध निर्माण, जंगलों की कटाई, उत्खनन, बांध आदि को विकास बता कर अपनी पीठ ठोक रहे हैं। उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में पहाड़ पर बादल फटने और फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ आने के कई कारणों में से एक कारण यह भी है कि मानसून का सीजन लगातार सिमटता जा रहा है। पहले चार महीने का मानसून सीजन होता था लेकिन अब यह महज दो महीने का रह गया है। एकाध अपवाद छोड़ दें तो मानसून दो महीने में समाप्त हो रहा है। जितनी बारिश होनी है इन दो महीनों में होती है। सरकार तो इस आंकड़े पर आंख मूंद कर यकीन करती है कि सामान्य बारिश हुई या सामान्य से थोड़ी कम या ज्यादा बारिश हुई। लेकिन सामान्य बारिश यानी सौ फीसदी बारिश अगर दो ही महीने में हो रही है तो उसका नुकसान तो होगा। इसका कारण जलवायु परिवर्तन है। बारिश और सर्दियों का सीजन चार महीने में खत्म हो जा रहा है और आठ महीने गर्मी पड़ रही है। अगर प्रकृति के चक्र को ठीक करने का प्रयास नहीं हुआ तो स्थिति और बिगड़ती जाएगी। पहली औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी ढाई फीसदी ज्यादा गर्म हो चुकी है और अगले 25 साल में दो फीसदी और गर्म हो सकती है। इसका मतलब है कि धरती को पहले बुखार हुआ और अब बुखार बढ़ रहा है, जिससे उसकी सेहत खराब हो रही है। जैसे बुखार आदमी के शरीर को तोड़ता है वैसे ही सामान्य से चार फीसदी ज्यादा तापमान धरती के शरीर को तोड़ देगा और उसे ठीक करना इंसान के वश में नहीं रह जाएगा। बहरहाल, अचानक बादल फटने का एक कारण मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र में लगातार आ रही कमी है। वैसे तो पहाड़ों पर भी जंगल काटे जा रहे हैं लेकिन मैदानी इलाकों में जंगल की कटाई इस रफ्तार से हो रही है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। समूचे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में जंगल साफ होते जा रहे हैं और उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं। औद्योगिक निर्माण हो रहे हैं और हाउसिंग सोसायटीज बन रही हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली, हरियाणा से जाकर बड़ी संख्या में लोग घर, फ्लैट और जमीन खरीद रहे हैं। वे उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में साफ हुए जंगल की जगह अपने फार्म हाउसेज बना रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि आसमान में जब बादल बनते हैं तो उनके बरसने के लिए मानसून की हवाओं को मैदानी इलाकों में अनुकूल हालात नहीं मिलते हैं। मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र की कमी के कारण बादल पहाड़ों पर बरसते हैं या फटते हैं, जिससे अचानक बाढ़ आ जाती है। इसके अलावा भागीरथी नदी पर बना करीब 260 मीटर ऊंचा टिहरी बांध भी बादल फटने की घटनाएं बढ़ने का एक कारण है। पहले भागीरथी नदी का जलग्रहण क्षेत्र अपेक्षाकृत बहुत छोटा था। लेकिन बांध की वजह से इसका ऊपरी जल क्षेत्र 50 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा हो गया है, जहां बड़ी मात्रा में पानी इक_ा होता है। इससे बादल बनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मानसून सीजन में बहुत ज्यादा बादल बनते हैं और फटते हैं। पहले बादल फटने की घटनाएं इक्का दुक्का होती थीं। लेकिन अब नदियों के प्राकृतिक बहाव को बाधित करने से असंतुलन बना है, टिहरी बांध में भारी मात्रा में पानी इक_ा होने से बादल ज्यादा बन रहे हैं और मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र नहीं होने से बादल पहाड़ों पर फट रहे हैं। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ की वजह से प्रकृति का चक्र बिगड़ा है और अब एक साथ कई बादल फटने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिससे अचानक बाढ़ आ जा रही है। इस पूरे मामले में एक बात पर और ध्यान देने की जरुरत है कि अब आ रही बाढ़ से नुकसान बढ़ता जा रहा है। इसका कारण यह है कि लोग पारंपरिक तरीकों को छोड़ कर नदियों के किनारे बसने लगे हैं। पहले पहाड़ों में गांव नदी से दूर बसाए जाते थे। लेकिन अब नदियों के किनारे घर बनाए जाने लगे हैं। पर्यटकों की मांग को देखते हुए नदियों के किनारे छोटे होटल, रिसॉर्ट या होमस्टे के लिए घर बनाए जा रहे हैं। धराली में भी ऐसे ही होटल और होमस्टे बह गए हैं। दूसरा कारण यह है कि नियमों को ठेंगा दिखा कर इकोसेंसिटिव जोन में निर्माण हो रहा है। धराली में जहां यह हादसा हुआ है वह भी ऐसे ही जोन में आता है। फिर वहां निर्माण कैसे हुआ इसकी जांच होनी चाहिए। ऐसे तमाम इलाके मिल जाएंगे, जहां कानूनी तौर पर निर्माण पर रोक लगी हुई है लेकिन वहां निर्माण हुए हैं। इससे पहाड़ों में मानवीय गतिविधियां इतनी बढ़ गई हैं कि जंगल और पहाड़ उसे बरदाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

मेष राशिः इस राशि वालों के लिए आज का दिन खुशहाल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिससे आप अच्छा लाभ कमाएंगे नवविवाहित दंपत्ति को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिलेगा, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज आप खुद को फिट और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपको राजनीति से जुड़कर काम करने का मौका मिलेगा, जिससे आप अपने सपनों को पूरा करेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स के बिजनेस में आपको अच्छा धन लाभ होगा, आप कारोबार को आगे बढ़ाने का विचार कर सकते हैं। इस राशि के शिक्षको का ट्रांसफर उनकी मनपसंद जगह पर हो जायेगा। जॉब के लिए प्रयासरत युवाओं को अपनी तलाश जारी रखने की जरूरत है, जल्द ही जॉब मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको मनपसंद चीज प्राप्त होगी, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते की बात को आगे बढ़ा सकते हैं। आज आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं, जिससे आपका मूड फ्रेश होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज नए बिजनेस को शुरू करने का विचार आपको उत्साहित करेगा। आज आप परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन आज ख़त्म हो जाएंगी, जीवनसाथी खुश होने की वजह देंगे। आज आपके काम और मेहनत को देखते हुए आपकी सैलरी में इजाफा होगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज करीबी दोस्त की वजह से आपको जॉब मिलेगी, इससे आपकी दोस्ती और गहरी होगी। आज कार्यक्षेत्र में बाहरी सलाह से अच्छा है, आप घरवालों की बात को समझे। आज आपके दांपत्य रिश्ते में आपसी तालमेल बना रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फर्नीचर का सामान खरीद सकते हैं, जिससे घर की रौनक बढ़ जाएगी। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें भाई का पूरा सहयोग मिलेगा। आज बच्चे आपसे मन की बात शेयर करेंगे, आप उनकी बातों को ध्यान से सुने और प्यार से समझाएं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप कॉस्मेटिक प्रोडक्ट को ऑनलाइन वेबसाइट पर लांच करेंगे, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कोई नया टारगेट दे सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते है। इस राशि के साइंस से जुड़े व्यक्तियों को मान–सम्मान प्राप्त होगा। आज आपको दोस्त से उपहार मिलेगा, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आप अधिकतर कार्यों को पूरा कर लेंगे, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरूरतमंदों की मदद करेंगे, जिससे उनके जीवन में बदलाव आएगा। आज घर में बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान देने की अवश्यकता है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने दोस्त की मदद से रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे। आज आपको बिजनेस डील में बड़ा धन लाभ होगा। आज ऑफिस में आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी, जिनसे मिलकर आपको ख़ुशी होगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप ऑफिस में कई दिनों से रुका कार्य आज समय से पूरा कर लेंगे। आज घर में किसी खास रिश्तेदार के आगमन से ख़ुशी का माहौल बनेगा। ट्रांसपोर्ट के कारोबारियों को अच्छा लाभ होगा, जिससे आपके मन को संतुष्टि मिलेगी। आज शिक्षकों का प्रमोशन उनकी मनपसंद जगह पर होने की सम्भावना है।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। आज कार्यक्षेत्र में बड़ों की सलाह लेना आपको व्यापार में अच्छा लाभ दिलाएगी। आज किसी अच्छी कंपनी से आपके लिए जॉब का प्रस्ताव आ सकता है। आज आपके दामपत्य जीवन में सौहार्द्र बना रहेगा और आप एक दूसरे का ख्याल रखेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपने सभी जरुरी कार्यों को समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आप अन्य कार्यों के लिए भी समय निकाल सकें। आज आप क्रेडिट कार्ड के फिजूल खर्चों से बचेंगे तो आप आर्थिक उलझन से बच जायेंगे। इस राशि के वकील आज किसी क्लाइंट के केस को जीतने में सफल रहेंगे, जिससे उन्हें अच्छा लाभ होगा।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित–ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे—साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा। उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तररदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्चत, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और "नो गो" क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में "नो गो" क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे। लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है। यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूकबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्ट म का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है। साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तधर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें। राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थरगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है। एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60% का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

श्रेयस और यशस्वी को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी बाहर करना दुखद : अश्विन

चेन्नई । पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने एशिया कप के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। अश्विन ने कहा कि श्रेयस को शामिल नहीं किया जाना दुखद है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। अश्विन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी बाहर रखे जाने पर भी सवाल उठाया है और कहा है कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन के बाद भी जगह नहीं मिलना समझ से परे है। श्विन ने कहा, 'चयन ऐसा काम है जिसमें कोई तो बाहर रहेगा ही। जब आप उनसे बात करते हैं तो उनके चेहरों की निराशा और दुख को महसूस कर सकते हैं। उम्मीद है कि किसी ने श्रेयस और जायसवाल से बात की होगी।' अश्विन ने कहा, 'जब आपके पास तीसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी है तो भी आप शुभमन गिल को लेकर आए। मैं शुभमन के लिए खुश हूं पर श्रेयस और यशस्वी के लिए दुखी हूं। दोनों के साथ अच्छा नहीं हुआ।' उन्होंने कहा, 'श्रेयसा ने टीम से बाहर होने के बाद भी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। अगर श्रेयस को बाहर किये जाने का जवाब यह है कि शुभमन शानदार फॉर्म में है तो श्रेयस भी है। इसलिए उसे भी जगह मिलनी चाहिये थी। यशस्वी इंग्लैंड में अंतिम मैच में कठिन पिच पर शानदार पारी खेली थी इसके बाद भी उसे बाहर कर दिया गया। ' अश्विन ने कहा, 'श्रेयस की क्या गलती है। उसने केकेआर को आईपीएल जिताया. उसे नीलामी में भेज दिया गया. उसके बाद वह 2014 के बाद पहली बार पंजाब को फाइनल तक ले गया। उसने शॉर्टगेंद की अपनी कमजोरी भी दूर कर ली। इसलिए मैं उसे और यशस्वी को शामिल नहीं किये जाने से निराश हूं। ' वहीं पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने भी चयनकर्ताओं के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह संकेत है कि अब टी20 क्रिकेट में श्रेयस के लिए काफी कम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'श्रेयस 20 सदस्यीय टीम में क्यो नहीं हैं। इससे साफ है कि वह भविष्य की योजनाओं को हिस्सा अब नहीं रहा। '

पृथ्वी ने बुची बाबू टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की ओर पहले ही मैच में शतक लगाया

फिर से शुरुआत करने को लेकर परेशान नहीं

चेन्नई । लंबे समय से खराब फार्म से परेशान पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए बुची बाबू इनविटेशनल टूर्नामेंट में शतक लगाया है। पृथ्वी ने कुछ दिन पहले ही मुंबई टीम को छोड़ा था। पृथ्वी की शानदार बल्लेबाजी से महाराष्ट्र की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ 200 रन ही पार कर पाई। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंद में 111 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया। इससे महाराष्ट्र ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 217 रन बनाए। वहीं छत्तीसगढ़ की पहली पारी में 252 रन बना पायी थी। पृथ्वी ने सचिन धास के साथ पहले विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की पर इसके बाद चार विकेट जल्दी-जल्दी खो दिये। ऋतुराज गायकवाड़ और अंकित बावने के जल्दी आउट होने के बाद पृथ्वी ने पांचवें विकेट के लिए सिद्धार्थ म्हात्रे के साथ 57 रन बनाये। शतकीय पारी खेलते के बाद पृथ्वी शॉ ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी की सहानुभूति नहीं चाहते हैं। पृथ्वी के लिए पिछला समय अच्छा नहीं रहा है। इस क्रिकेटर ने कहा , मुझे फिर से शुरूआत करने में कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं। मैं एक बहुत ही आत्मविश्वासी इंसान हूं, मुझे अपने पर, अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसा है। मुझे उम्मीद है कि यह सत्र मेरे और मेरी टीम के लिए वाकई अच्छा रहेगा।

शुभमन को उपकप्तान बनाने का कारण सामने आया

सूर्यकुमार के उत्तराधिकारी के लिए तैयार कर रहा बोर्ड

मुम्बई । अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के लिए बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने से साफ हो गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति उन्हें भविष्य में कप्तानी संभालने के लिए तैयार करना चाहती है। इसी कारण यशस्वी जायसवाल की जगह उन्हें टीम में शामिल किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को चयनकर्ताओं ने यशस्वी के मुकाबले अधिक वरीयता दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार 25 साल के शुभमन ने भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए 700 से ज्यादा रन बनाये थे। भारतीय टीम ने सीरीज में भी वापसी करते हुए उसे 2-2 पर रोक दिया था। इसी को देखते हुए गंभीर और चयनकर्ता उन्हें अब टी20 में भावी कप्तान के रूप में तैयार करना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्हें अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार अब 35 साल के होने के करीब हैं। जिसको देखते हुए भी शुभमन को उनके साथ उप-कप्तान के रूप में शामिल करने किया गया है। जिससे वह भविष्य में इस प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकें। गौरतलब है कि शुभमन ने अब तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने पिछले साल हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों में भारत की कप्तानी की थी और उनमें से चार में जीत हासिल की थी। वहीं सूर्यकुमार ने अब तक 23 टी20 अंतरराष्ट्री मैचों में भारत की कप्तानी करते हुए 18 मुकाबले जीते है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम केवल 4 मैच ही हारी है।

एशिया कप से सिराज को बाहर रखन गलत : हरभजन

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज मोहम्म सिराज को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने पर निराशा जतायी है। हरभजन ही नहीं कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी सिराज को बाहर रखे जाने पर नाराजगी जतायी है। एशिया कप का यह संस्करण टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। सिराज ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत के लिए आखिरी बार टी20 मैच खेला था। इसके बाद से वह टी20 के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि सिराज का नाम भी शामिल होने चाहिए। सिराज ने हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त हुई सीरीज में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने इंग्लैंड में काफी गेंदबाजी की भी पिछले कुछ दिनों में उन्हें आराम भी मिल गया है। इसलिए उन्हें रखा जा सकता है। अगर वह टीम में होते, तो टीम मजबूत दिखती। गेंदबाजी ईकाई बहुत मजबूत दिखती। मुझे लगता है कि सिराज जो एक्स फैक्टर लेकर आते हैं, वो कहीं दिख नहीं रहा। इससे पहले चयन समिति मुंबई ने टीम की घोषणा में सिराज को आराम दिये जाने की बात कही। वह इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट मैच खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे और उन्होंने सीरीज में कुल 185.3 ओवर गेंदबाजी की। उन्हें इस साल चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी

पाकिस्तान से मैच के सवाल पर बीसीसीआई मैंनेजर बोले, चयन से जुड़ा सवाल ही पूछें

मुम्बई । एशिया के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल से चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर और भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव असहज हो गये। इस पत्रकार ने पूछा कि वर्तमान समय के तनावपूर्व माहौल में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच को खेलेगी या नहीं। ऐसे में अगरकर और सूर्यकुमार जवाब देते इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मीडिया मैनेजर ने कहा, 'रुकिए अभी आप चयन से जुड़ा हुआ कोई सवाल ही पूछ सकते हैं अन्य सवाल नहीं।' गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर प्रशंसकों का विरोध बढ़ता रहा है। कई लोग इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि जिस प्रकार पाक ने पहलगाल में आतंकी हमला कराया उसको देखते हुए पाक से कोई मैच नहीं खेलना चाहिये। संसद में भी यह मामला उठा है। कई सांसदों ने इस मैच को रद्द करने की मांग की है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसके तहत ही भारत ने पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी अड्डों पर हमले किये थे जिसमें कई आतंकी मारे गये थे। जिसके बाद पाक सेना ने भारत पर ड्रोन हमले किये थे जो भारतीय एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिये थे। हाल ही में रिटायर्ड क्रिकेरों की लीग में भी इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से मैच का बहिष्कार किया का।

व्यापार

एयरपोर्ट जाने से पहले वेबसाइट या ऐप पर उड़ान की स्थिति देखें

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

मुंबई, मुंबई में भारी बारिश से उड़ाने भी बाधित हो रही हैं। इसके मद्देनजर भारत की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके बारिश की आशंका के कारण हवाई यात्रा पर असर पड़ने की बात कही है। कंपनी ने पोस्ट में लिखा- हम चाहते हैं कि आपकी यात्रा यथासंभव परेशानी मुक्त हो, लेकिन प्रकृति की भी अपनी योजनाएं हैं। मुंबई में भारी बारिश की आशंका है, जिससे हवाई यातायात में भीड़भाड़ और उड़ान संचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइंस ने आगे लिखा- हम संचालन को सुचारू रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम पहले से योजना बनाने की सलाह देते हैं। आपकी उड़ान के शेड्यूल में कोई भी बदलाव आपके पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिए से साझा किया जाएगा, इसलिए सुनिश्चित करें कि वे अपडेट रहें। एयरपोर्ट जाने समय से पहले निकलने की सलाह देते हुए इंडिगो ने लिखा- एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति देखें और जलभराव और धीमी गति से चलने वाले ट्रैफिक की संभावना के कारण, अपनी यात्रा के लिए कुछ अतिरिक्त समय निकालें। सड़कों पर सुरक्षित रहें और तैयार होकर यात्रा करें। इससे पहले बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस ने पोस्ट करके एक एडवाइजरी जारी की थी। उसमें भी विमानन कंपनी ने कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी की आशंका जताई थी और यात्रियों को इंडिगो की ऐप और वेबसाइट से यात्रा संबंधी प्रमुख गाइडलाइन्स को फॉलो करने की सलाह दी थी। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आया है। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला।

सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज्यादा लाभ में रहे। ब्रोडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.03 फीसदी की हल्की गिरावट रही। जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.07 फीसदी की बढ़त रही। सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी उर्जा के अलावा एनएसई पर अन्य सभी इंडेक्स बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट पर कारोबार कर रहे थे। एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा। अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। वहीं तकनीकी शेयरों में कमजोरी के कारण एसएंडपी 500 में 0.59 फीसदी की गिरावट, नेसडेक में 1.46फीसदी की गिरावट और डॉओ जोंस लगभग स्थिर रहा। वहीं मुख्य बाजार में पटेल रिटेल, विक्रम सोलर, जेम एरोमैटिक्स और श्रीजी शिपिंग ग्लोबल के आईपीएल आज लिए खुलेंगे। रीगल रिसोर्ट आईपीएल आज बाजार में सूचीबद्ध होगा।

सोने और चांदी में नरमी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। आज सुबह इन दोनो की ही कीमतें कम हुई हैं। आज सुबह घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) में सोना 67 रुपये नीचे आकर 98,629 रुपय प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस ने 24 कैरेट सोने का भाव 99,170 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट का 96,790, 20 कैरेट का 88,260 और 18 कैरेट का 80,330 प्रति 10 ग्राम तय किया था। वित्तीय जानकारों के अनुसार डॉलर में मजबूती के कारण तरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की मांग प्रभावित हुई है। डॉलर के महंगा होने से सोना खरीदना कठिन हो जाता है। इसके अलावा निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की पॉलिसी मीटिंग और चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान का इंतजार कर रहे हैं, जिसके चलते बाजार में सतर्कता बनी हुई है। चांदी के दाम में गिरावट और भी ज्यादा देखने को मिली। एमसीएक्सा पर चांदी का वायदा भाव 555 रुपये गिरकर 1,10,790 प्रति किलो पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी के भाव में उथल-पुथल जारी जारी है। कॉमेक्स पर सोना 3,360.40 डॉलर प्रति औंस और स्पॉट गोल्ड 3,318.25 प्रति औंस पर रहा। इसके अलावा कॉमेथ्स पर चांदी $37.60 प्रति औंस पर रही।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर खरीदने का आज आखिरी दिन, कल मिलेगा डिविडेंड

नई दिल्ली, सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी की उम्मीद है। वजह यह है कि आज आखिरी दिन है जब निवेशक शेयर खरीदकर कंपनी के अंतिम डिविडेंड के हकदार बन जाएंगे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.15 प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड पाने के लिए 21 अगस्त गुरुवार की तारीख तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें डिविडेंड दिया जाएगा। कोल इंडिया अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त को करेगी। एजीएम में डिविडेंड को मंजूरी मिलने के बाद कंपनी 30 दिनों के अंदर यह भुगतान करेगी। यह सिफारिश पहले 7 मई 2025 को बोर्ड बैठक में की गई थी। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कोल इंडिया का शुद्ध मुनाफा 10,943.55 करोड़ रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के बराबर है। कंपनी की कुल आय घटकर 37,458.05 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 39,388.47 करोड़ थी। बिक्री घटकर 31,880.43 करोड़ पर आ गई, जो क्यू1 2025 में 33,170.13 करोड़ थी। वहीं खर्च बढ़कर 25,893.12 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 25,326.66 करोड़ था। 19 अगस्त को एनएसई पर कोल इंडिया का शेयर 385.90 पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.49 फीसदी कम है। कंपनी का मार्केट कैप फिलहाल 2.38 लाख करोड़ है और यह बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है।

स्टोर आधारित से एकीकृत इकाई लाइसेंसिंग की ओर बढ़ने की जरूरत : रवि गांधी

नई दिल्ली, रिलायंस रिटेल के अध्यक्ष रवि गांधी ने बुधवार को कहा कि आधुनिक संगठित खुदरा क्षेत्र के तेजी से विकास के साथ इस क्षेत्र में नियामक सुधारों की जरूरत है। यह स्टोर आधारित लाइसेंसिंग से इकाई आधारित एकीकृत लाइसेंसिंग की ओर बढ़ रहा है। वह उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से आज एक होटल में आयोजित 'मासमेराइज 2025' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। खुदरा, एफएमसीजी और ई-कॉमर्स पर आधारित सम्मेलन का मुख्य विषय 'मेक इन इंडियाः एफएमसीजी, खुदरा और ई-कॉमर्स के भविष्य को सशक्त बनाना' रखा है। उन्होंने कहा कि स्टोर खोलने में तेजी लाने के लिए लाइसेंस-पूर्व निरीक्षण के स्थान पर लाइसेंस पश्चात निरीक्षण की ओर बढ़ने की भी जरूरत है।उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बदलाव से संगठित खुदरा विक्रेताओं के लिए व्यापार करने में आसानी में उल्लेखनीय सुधार होगा। रवि गांधी ने कहा कि आज देश में (खुदरा क्षेत्र से संबंधित) सभी कानून व्यक्तिगत दुकानों के लिए बनाए गए हैं। सभी लाइसेंस व्यक्तिगत स्टोर आधारित हैं।

‘बैटल ऑफ गलवान’ की शूटिंग में जुटे सलमान खान

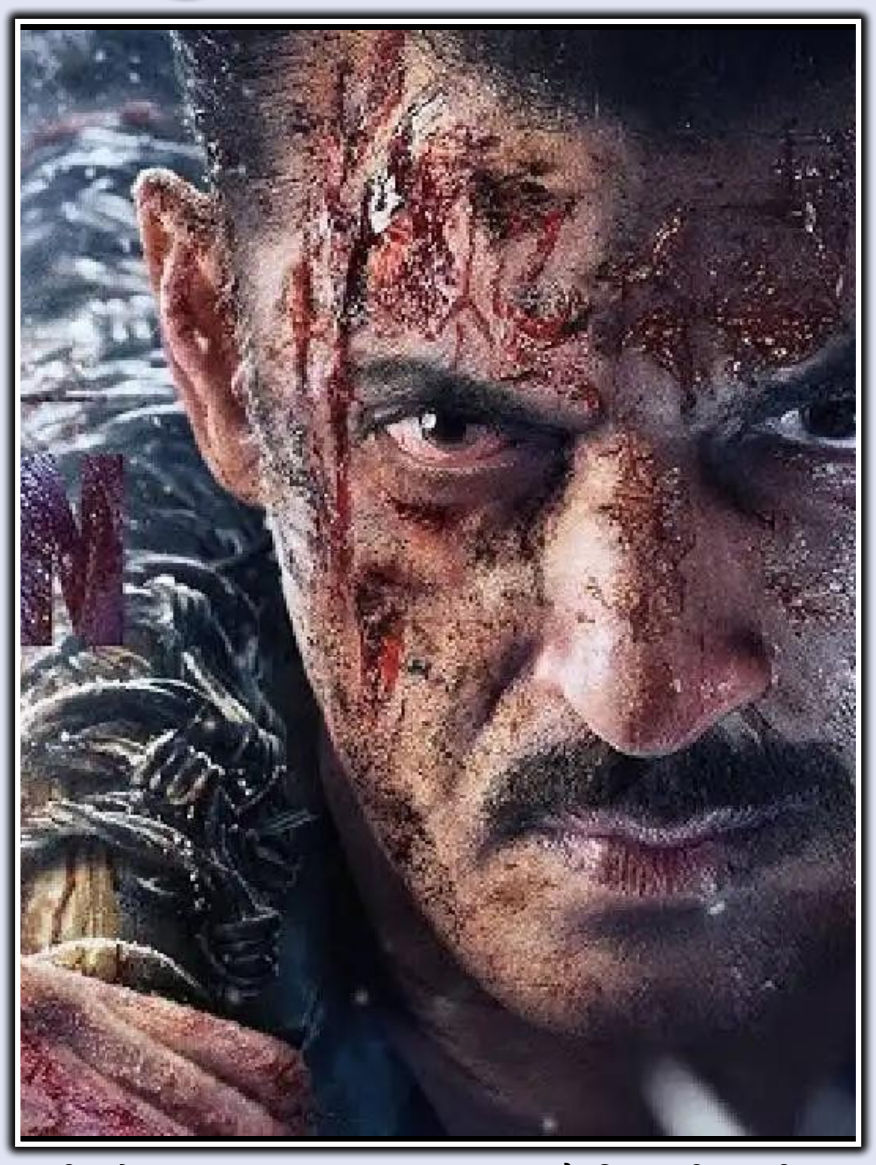

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार वापसी की तैयारी में हैं। पिछली बार वह फिल्म ‘सिकंदर’ में नजर आए थे, लेकिन उम्मीदों पर खरी न उतर पाने के कारण यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। अब सलमान अपने अगले मेगा प्रोजेक्ट ‘बैटल ऑफ गलवान’ के साथ चर्चा में हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं, जिन्होंने ‘मुंबई से आया मेरा दोस्त’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और उसके बाद कई चर्चित फिल्में दीं। ‘बैटल ऑफ गलवान’ की शूटिंग 20 अगस्त से लद्दाख की वादियों में शुरू हो चुकी है। निर्देशक अपूर्व लाखिया ने खुद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिससे फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म की कहानी साल 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। इस फिल्म में सलमान खान कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो भारत माता के लिए वीरगति को प्राप्त हुए थे। यह किरदार सलमान के करियर के सबसे गंभीर और जिम्मेदार रोल्स में से एक माना जा रहा है। फिल्म में सलमान की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के साथ बन रही है। दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने के लिए दर्शक बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि यह एक नई और ताज़ा जोड़ी होगी। देशभक्ति, एक्शन और भावनाओं से भरपूर ‘बैटल ऑफ गलवान’ को लेकर मेकर्स का दावा है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली वार ड्रामा फिल्मों में से एक साबित होगी।

बड़े पर्दे के बाद ओटीटी पर उतरी पवन कल्याण की ‘हरि हर वीर मल्लू’

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘हरि हर वीर मल्लू’ इस साल 24 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। भव्य सेट, शानदार विज़ुअल्स और दमदार कलाकारों की वजह से इस फिल्म से दर्शकों और मेकर्स दोनों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, लगभग 300 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत में बनी यह फिल्म सिनेमाघरों में वैसा धमाल नहीं मचा पाई, जैसा अनुमान लगाया गया था। रिलीज के बाद फिल्म ने दुनियाभर से लगभग 116.82 करोड़ रुपये की कमाई की। बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद अब फिल्म डिजिटल माध्यम पर अपनी नई पारी शुरू कर चुकी है। ‘हरि हर वीर मल्लू’ को अब दर्शक सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़न प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ऐसे में जिन दर्शकों ने सिनेमाघरों में यह फिल्म मिस कर दी थी, उनके लिए अब घर बैठे इस पीरियड ड्रामा को देखने का सुनहरा मौका है। अमेज़न प्राइम वीडियो ने फिल्म की रिलीज की घोषणा करते हुए लिखा, “शहर में एक नया रॉबिनहुड आया है, नाम है ‘हरि हर वीरा मल्लू।’” इस लाइन ने फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। फिल्म की कहानी एक काल्पनिक योद्धा वीरा मल्लू के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे जनता का ‘रॉबिनहुड’ कहा जाता है। पवन कल्याण ने इस दमदार किरदार को जीवंत किया है। उनके साथ फिल्म में बॉबी देओल और निधि अग्रवाल भी अहम भूमिकाओं में नज़र आते हैं। बॉबी देओल का ग्रे-शेड वाला किरदार फिल्म की खासियत रहा, वहीं निधि अग्रवाल ने अपनी मासूमियत और अभिनय से प्रभावित किया। इस मेगा-प्रोजेक्ट का निर्देशन कृष जगरलामुदी और एएम ज्योति कृष्णा ने मिलकर किया है। फिल्म की ओटीटी रिलीज के साथ एक बार फिर से इसे नया जीवन मिलने की उम्मीद है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि डिजिटल दर्शकों के बीच ‘हरि हर वीर मल्लू’ कितना असर छोड़ पाती है।

धनश्री वर्मा ने तोड़ी चुप्पी, बताया युजवेंद्र चहल संग रिश्ते का सच

कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का तलाक इस साल की शुरुआत में सुर्खियों में रहा। दोनों के अलगाव को लेकर कई वजहें चर्चा में आईं और खासकर धनश्री को सोशल मीडिया पर कड़ी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में पहली बार धनश्री ने अपने तलाक पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब कोर्ट ने इस मामले पर फैसला सुनाया, तो उस वक्त उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति कैसी थी। धनश्री ने अपने दिल का हाल शेयर करते हुए कहा कि जैसे ही कोर्ट ने तलाक का फैसला सुनाया, वे खुद को संभाल नहीं पाईं और सबके सामने फूट-फूटकर रोने लगीं। उस पल की पीड़ा को शब्दों में बयां करना उनके लिए नामुमकिन था। उन्होंने बताया कि उस दौरान युजवेंद्र पहले ही कोर्ट से बाहर निकल गए थे और वे लगातार रोती रहीं। धनश्री के मुताबिक, ‘मुझे बस इतना याद है कि मैं रो रही थी, चीख रही थी, और खुद को रोक नहीं पा रही थी।’ तलाक की कार्यवाही के दौरान युजवेंद्र ने जो टी-शर्ट पहनी थी, उस पर लिखा था, “बी योर ओन सुगर डैडी”। इस मैसेज ने उस वक्त काफी विवाद खड़ा कर दिया था। बता दें, ‘शुगर डैडी’ का मतलब होता है, ‘अमीर पुरूषों को फसाने वाली स्त्री का प्रेमी।’ इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए धनश्री ने कहा कि ऐसे मामलों में हमेशा महिलाओं को ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, “अगर कुछ कहना ही था तो सीधे मैसेज कर देते, व्हाट्सऐप था न टी-शर्ट पहनकर इस तरह दिखावा करने की क्या ज़रूरत थी?” धनश्री ने आगे अपनी बात रखते हुए कहा कि तलाक जैसी परिस्थितियों से गुज़रते समय परिपक्वता बेहद ज़रूरी होती है। उन्होंने बताया कि वह हमेशा परिवार की गरिमा बनाए रखना चाहती थीं, इसलिए कभी भी सार्वजनिक रूप से भड़काऊ या उकसाने वाले बयान नहीं दिए। उनके मुताबिक, समाज में महिलाओं को बचपन से यही सिखाया जाता है कि हर हाल में रिश्ते निभाने होते हैं। यही वजह है कि जब तलाक जैसी स्थिति आती है तो उसका ठप्पा ज़्यादातर महिलाओं पर ही लगा दिया जाता है। धनश्री ने आगे यह भी शेयर किया कि शादीशुदा जिंदगी के दौरान उन्होंने हर छोटे-बड़े मौके पर चहल का पूरा साथ दिया, चाहे बात उनके क्रिकेट करियर की हो या फिर निजी परेशानियों की। उनका मानना है कि किसी भी रिश्ते में भावनाएं और जिम्मेदारियां दोनों तरफ से निभाई जानी चाहिए, और शायद यही वजह थी कि तलाक के दिन उनका दर्द आखिरकार बाहर आ गया। धनश्री और युजवेंद्र ने साल 2020 में शादी की थी, लेकिन पांच साल बाद 2025 में उनका रिश्ता तलाक के साथ खत्म हो गया।

थामा का टीजर जारी, आयुष्मान-रश्मिका में दिखा रोमांस, मलाइका अरोड़ा ने लगाए ठुमके, जल्द रिलीज होगा ट्रेलर

स्त्री 2 के मेकर्स अपनी अगली हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा से चर्चा में हैं. 15 अगस्त फिल्म की पहली झलक दिखी थी और बीती 18 अगस्त को फिल्म से इसकी स्टार कास्ट आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आया था. फिल्म की स्टार कास्ट का फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ मेकर्स ने अपने दर्शकों को जानकारी दी थी कि वह फिल्म से सरप्राइज गिफ्ट देंगे और अपने वादे को पूरा करते हुए मेकर्स ने आज दर्शकों के लिए वो सरप्राइज शेयर कर दिया है. 1.49 मिनट के टीजर की शुरुआत रह पाओगी मेरे बिना सौ साल तक, 100 साल क्या एक पल भी नहीं रह पाऊंगी से होती और इसके बाद शुरू होता है, भूतिया खेल, में जिसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना एक भूतिया जंजाल में फंसे नजर आ रहे हैं. इसके बाद परेश रावल की छोटी सी एंट्री होती है और

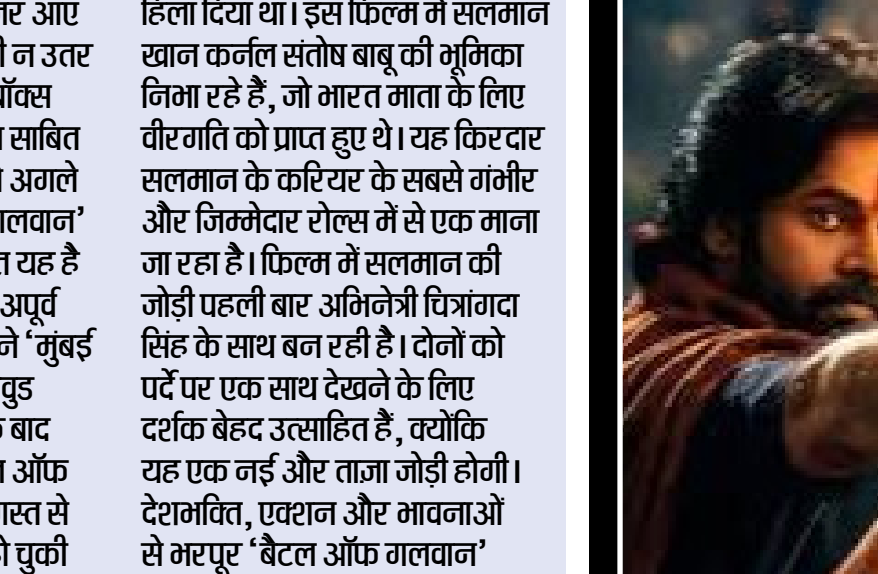

फिर भूतिया जगहों का दीदार कराया जाता है, फिर आयुष्मान और रश्मिका के बीच रोमांस देखा जाता है, जिसे वैंपायर बने एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी देखते हैं, और कहते हैं, रुक क्यों गए, लगे रहो, मैंने 75 साल से रोमांस नहीं देखा है. मडोक फिल्म्स अपनी पहली लव-स्टोरी हॉरर फिल्म थामा से इस दिवाली धमाका करने आ रही है. इससे पहले फिल्म से सभी स्टारकास्ट के शानदार और इंटेंस लुक वाले फर्स्ट लुक शेयर किए गये थे. इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आया था. आयुष्मान और रश्मिका के फर्स्ट लुक की बात करें तो दोनों इंटेंस लुक में दिखे थे. फिल्म में आयुष्मान का किरदार आलोक, रश्मिका का ताड़का रोशनी का होगा. परेश रावल को उनके फर्स्ट लुक में हैरान परेशान देखा जा रहा था. परेश रावल का रोल मिस्टर राम बजाज गोयल का है, जो हमेशा कॉमेडी में ट्रेजडी ढूंढते हैं. वहीं, फिल्म के विलेन नवाज के वैंपायर रोल का नाम यक्षासन है, जो अंधेरे का बादशाह है और उनका बड़े वाला लुक भी बेहद सस्पेंसिव था. रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म का दूसरा पार्ट भी बनेगा, जिसमें ना सिर्फ नवाजुद्दीन बल्कि आयुष्मान, रश्मिका और परेश रावल भी नजर आने वाले हैं. फिल्म में आयुष्मान एक इतिहास के जानकर बनेंगे और परेश रावल भूतिया स्टडी करने वाले बाबा. बता दें. स्त्री और भेड़िया की तरह रोशन शंकर ने ही फिल्म थामा का स्क्रीनप्ले किया है और साथ ही इसके डायलॉग भी लिखे हैं.

सिनेमा हॉल में छाया रजनीकांत का जादू, रिलीज के छठे दिन 9.50 करोड़ रुपये की कमाई

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘कुली’ स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में उतरी थी और रिलीज के पहले ही दिन से बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई कर रही है। अब फिल्म की छठे दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जो इसकी सफलता की गवाही दे रहे हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग पोर्टल सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार रजनीकांत की फिल्म ‘कुली’ ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी पहले मंगलवार को लगभग 9.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़कर 216 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि फिल्म ने पहले दिन ही 65 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग की थी। करीब 400 करोड़ रुपये के भव्य बजट में बनी इस फिल्म की टक्कर फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर ‘वॉर 2’ जैसी बड़ी फिल्म से हो रही है। ‘कुली’ का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर लोकेश कनगराज ने किया है, जिन्हें ‘लियो’ और ‘मास्टर’ जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। यह फिल्म पहली बार रजनीकांत और लोकेश कनगराज की जोड़ी लेकर आई है। इसमें रजनीकांत ने देवा का दमदार किरदार निभाया है।

Now the Prime Minister and Chief Minister will have to leave the chair on serious charges

Central government will bring a bill

New Delhi, The central government led by Prime Minister Narendra Modi is going to bring such a bill, due to which the Prime Minister and Chief Minister will have to leave the chair on serious charges. According to the report, the government will introduce this bill in the Lok Sabha on Wednesday. The bill will provide a legal framework for removing the Prime Minister, Chief Ministers, Ministers of Union Territories including Jammu and Kashmir from their posts. Apart from this, they can also be arrested or detained on serious criminal charges. According to the provisions proposed in the bill, if a minister remains in jail for 30 consecutive days on charges of a serious crime (crime punishable with 5 years or more punishment), then the President will remove him from the post on the advice of the Prime Minister. In this case, if the Prime Minister does not advise, then the minister will automatically leave the post after the 31st day. If a state minister remains in jail for 30 days, then the Governor will remove him on the advice of the Chief Minister. If the Chief Minister does not advise the removal of the state minister, the post of the minister will automatically end on the 31st day. If the Chief Minister himself remains in jail for 30 days, he will have to resign by the 31st day, otherwise his post will also end. Similarly, if the Prime Minister himself remains in jail for 30 days on such serious charges, he will also have to resign by the 31st day, otherwise his post will end automatically. According to the proposed provision of the bill, if any minister including the Prime Minister, Chief Minister or any Minister of State is arrested or detained for a continuous period of 30 days in a serious crime (imprisonment of 5 years or more), he can be removed from the post. The proposed bill seeks to amend Section 54 of the Jammu and Kashmir Reorganization Act, 2019 along with Articles 75, 164 and 239AA of the Constitution and adds a new clause (4A) to it. According to the new clause, if a minister is arrested and detained for 30 consecutive days during his tenure, he will be removed by the Lieutenant Governor on the advice of the Chief Minister on the 31st day. Failure to do so will automatically terminate the term. The proposed Bill highlights the need to protect constitutional morality and ensure public confidence in elected representatives. As per the Bill, elected leaders are symbols of people's hopes and aspirations, there is currently no provision in the Constitution to remove a sitting Prime Minister, Chief Minister or Minister and to arrest him on serious charges. The character and conduct of ministers in office should be above any suspicion.

Indian Air Force will get 97 new Tejas Mark 1A fighter planes

Centre approves purchase

New Delhi, The strength of the Indian Air Force is going to increase further. The central government has approved the purchase of 97 LCA Tejas Mark 1A fighter planes for the Air Force. Defense sources said that the purchase of aircraft has been given final approval in a high-level meeting. Hindustan Aeronautics Limited (HAL) will produce these aircraft at a cost of Rs 62,000 crore. After the new order, the total number of Tejas aircraft in the Air Force will be 180. Earlier, the Air Force had ordered 83 Tejas aircraft for about Rs 48,000 crore. These new aircraft will replace the MiG-21 aircraft. Let us tell you that the MiG-21 aircraft have become old and are victims of accidents every day. For this reason, they are being phased out from the Air Force. MiG aircraft will be retired on September 19. Tejas Mark 1A is the modern version of the existing Tejas aircraft. It has a very powerful Active Electronically Scanned Array radar, which can track multiple targets and targets simultaneously and attack with precision. Its advanced electronic warfare suite is capable of dodging enemy radars and missiles. The aircraft can be refueled in the air, which enables it to fly longer distances. The range and accuracy of the Mark 1A radar is much better than the previous version. An upgraded radar warning receiver system has been installed in it to quickly detect enemy aircraft. These include technologies such as new avionic suite, unified electronic warfare suite, self-protection jammer, onboard oxygen generation system. There have also been many changes in the cockpit of the aircraft. Smart multi-function display, digital map generator and advanced radio altimeter have been added. Tejas can fly at a maximum speed of 1980 kilometers per hour. It can cover a distance of 1,850 kilometers in one go. 8 different types of weapons can be installed in it. At present, it is fitted with anti-ship missiles. In future, there are plans to fit more modern missiles in it. It is said that Tejas is capable of dodging radar systems due to its small size. The new Tejas aircraft will replace the MiG aircraft.

More than 50 schools in Delhi again received bomb threats, panic spreads

New Delhi, 48 hours after 32 schools in Delhi received bomb threats, more than 50 schools have again received threats through email. Delhi Police officials said that 50 schools, including SKV Hauz Rani in Malviya Nagar and Andhra School in Karol Bagh, received unknown emails on Wednesday morning. After the information, the bomb disposal squad and dog squad team reached the spot. The premises have been evacuated. After the information of the threat, the police evacuated the school premises, while some children were sent back home. Searches are still going on in some schools, while no suspicious items have been found in some schools. Earlier on Monday, between 7:30 am and 12:25 pm, 32 schools had called the police and informed them about receiving threats on email. Nothing was found during the search throughout the day on Monday. According to the report, as per police records, since January till now, 74 educational institutions, 70 schools and 4 colleges in Delhi-NCR have received bomb threats. Police is unable to catch the people sending the threats because they are not sending the emails through Google but through VPN, dark websites or other means. Last year, threats were sent to 300 schools at once, but police could not trace any of the people sending the threats.

Heavy rains have flooded Mumbai, traffic affected from road to sky

IMD issues red alert

Mumbai, Heavy rains are raining like a disaster on people in Mumbai. Life has been disrupted due to floods. Due to this, the wheels of trains have stopped, while the route of planes has to be changed. The Indian Meteorological Department (IMD) on Wednesday issued a red alert for heavy rains in Maharashtra, Gujarat and Goa including Mumbai. Apart from these, there is an orange alert in Telangana, Bihar and light/moderate rains are expected in 18 states including Rajasthan, Madhya Pradesh, Himachal, Uttarakhand. The situation has worsened in Mumbai due to about 300 mm of rain in the last 24 hours. On Tuesday evening, 2 monorail trains got stuck between stations on the elevated track, after which 782 passengers were rescued. More than 36 trains were affected due to heavy rains and 14 long distance trains had to be cancelled, while the timing of 16 has been changed. Many local trains have had to be postponed, while more than 250 flights are flying late. The Meteorological Department has issued a red alert for very heavy rains in Thane, Chandrapur, Raigad and Ratnagiri besides Mumbai. Heavy rains are expected in Maharashtra for the next few days, but the intensity of rains in Mumbai is expected to decrease from Thursday. The Mithi river is reaching close to the danger mark, increasing the possibility of floods in low-lying areas. Due to bad weather, Mumbai University has postponed the examinations to be held on Wednesday. Monsoon turf, low pressure and cyclonic circulation system are causing light to heavy rains in Madhya Pradesh. There is an alert of heavy rain in 23 districts of the state. There is a possibility of rain in 17 districts of Uttar Pradesh. More than 100 villages are in the grip of floods due to the Ganges and Ramganga rivers flowing above the danger mark in Farrukhabad. The situation in Mathura and Delhi may worsen due to Yamuna reaching above the danger mark. Monsoon activity remains in Bihar. Orange alert has been issued for 20 districts and yellow alert for 18 districts. After August 21, heavy rain will occur in most parts of the state. The intensity of rain has weakened in Rajasthan. Here, there may be drizzle along with cloud cover at some places. During this, there will be humidity due to bright sunshine. Due to the rain in Himachal Pradesh, there are flood-like conditions in 7 districts of Punjab. After the rain in Delhi NCR, the humid heat has started troubling people. There is a possibility of light rain on Wednesday as well. During this, the maximum temperature can remain up to 33 and minimum 24 degrees.

Bodies of two brothers found inside a car in Jaipur, murder suspected

Jaipur, There was a stir in Jaipur, Rajasthan, when the bodies of two children were found inside a closed car. Both were real brothers and had gone out to play. The incident took place late Tuesday night in Nagatlai area of Galta Gate police station area. The deceased children have been identified as 5-year-old Anas and 7-year-old Ahsan. Police said that the SUV car in which the bodies of the children were found was parked about 20 meters away from their house. The police officer said that on Tuesday evening, both the children had gone out to play, but did not return. When the night got late, the search was started. When the children were not found, the family filed a missing report at the Gate police station. After this, when the police started searching in the area, both the children were found unconscious inside the car parked near the house. The children were taken to the hospital, where they were declared dead. Police, quoting the people in the neighbourhood, said that the car has been parked at the same place for about 15 days. The family members have found injury marks on the children's bodies and blood was oozing out of their nose and mouth. It is suspected that they have been murdered. Police have started the process of conducting the postmortem of the children. CCTV cameras installed in the area are being scanned. The forensic team has also arrived. Police have expressed the possibility that the children might have got locked inside the car while playing and might have died of suffocation. However, the postmortem report is awaited to confirm this. There is an atmosphere of tension in the area since the incident. Local MLA Rafiq Khan has also reached the spot. The family members have also suspected murder. The children's father Shahzad is a resident of Dausa and has come to Jaipur some time ago.

Delhi Chief Minister Rekha Gupta attacked, she was conducting public hearing in camp office

New Delhi, Delhi Chief Minister Rekha Gupta was attacked by a man on Wednesday. This attack happened on her when she was conducting public hearing in the camp office located in Civil Lines. According to the report, during the public hearing, a man started shouting at the Chief Minister and also slapped her. During this, very abusive language was also used. Police has arrested the accused. This is being considered a big security lapse. Police said that the accused is 41-year-old Rajeshbhai Khimjibhai Sakaria, who is a resident of Rajkot, Gujarat. Police said that a relative of the accused is in jail and he is trying for his release. In this regard, he came to the Chief Minister with his letter. This matter is pending in the court. Delhi Police is in touch with Gujarat Police to find out more about the accused. Anjali Rameja, who was present at the public hearing, said that when this incident happened, the Chief Minister was listening to the people. We heard a noise from behind, and by the time we turned, the police had arrested the attacker and taken him away. When the journalist asked her about being slapped, she said that yes, she was attacked and Rekha ji was completely shocked. Another eyewitness said that the attack happened suddenly, which is wrong. Sources quoted Delhi Police sources as saying that a heavy object was thrown at the Chief Minister, due to which she fell on the ground. The accused was standing at the spot with a paper. He also slapped the Chief Minister, abused her a lot and pushed her. He pulled the Chief Minister's hand, due to which the Chief Minister's head hit the table. The Chief Minister is currently under medical supervision and senior Delhi Police officials are present at the spot. Delhi BJP President Virendra Sachdeva said that Chief Minister Gupta was conducting her weekly public hearing, when a person attacked her. He denied slapping and said that the Chief Minister is in shock. Delhi government minister Manjinder Singh Sirsa said that the Chief Minister is constantly going among the public, due to which political parties are angry. He has termed this attack as politically motivated and a conspiracy of the opposition. Delhi Congress President Devender Yadav said that the Chief Minister leads the entire Delhi. Such incidents cannot be condemned enough, but this incident also exposes the reality of women's safety. If the Chief Minister is not safe, then how can a common man or a woman be safe? Leader of Opposition Atishi said that there is a place for disagreement and protest in democracy, but there is no place for violence. It is hoped that Delhi Police will take strict action.

India will not take the first step to normalize relations, responsibility lies with Pakistan: Tharoor

New Delhi, August 20 (RNS). Senior Congress leader Shashi Tharoor said that after repeated betrayals, India no longer has the desire to take the first step towards normalizing relations with Pakistan. He urged Islamabad to show sincerity by dismantling the terror networks operating from its soil. He was speaking at the launch of a book edited by former ambassador Surendra Kumar. The MP from Thiruvananthapuram said India's efforts, from Jawaharlal Nehru's agreement with Liaquat Ali Khan in 1950 to Atal Bihari Vajpayee's Lahore bus journey in 1999 and PM Modi's Lahore visit in 2015, were sidelined by Pakistan's hostility. Given Pakistan's record of behaviour, the onus is on them. They have to take the first step to show seriousness in dismantling the terror infrastructure on their soil. Tharoor said why doesn't Pakistan make a serious effort to take concrete action against terror camps? Everyone knows where they are. The UN committee has a list of names of 52 individuals, organisations and places in Pakistan. It is not as if Pakistan doesn't know they exist. Stop them, arrest some of these people, show some serious intent, he said. Once such action is taken, India will be ready to retaliate, but will not take the first step now. He also referred to the 2008 Mumbai attacks. He said that India handed over overwhelming evidence to Pakistan about the involvement of terrorists. This included live intercepts and dossiers, yet not a single mastermind was prosecuted. He said that New Delhi showed extraordinary restraint after the attacks, but later provocations left India with very few options, resulting in the surgical strikes and Operation Sindoor in 2016. He made it clear how long any democratic government, especially India, will sit silent. The Congress leader also stressed that peace on the borders is necessary for national interest.

Wife murdered in Drishyam style in Delhi, body hidden in such a place that no one gets to know about it

New Delhi, A case of murder of a woman and disposing of her body came to light in Delhi that brought back memories of the popular film Drishyam. Here a man killed his 30-year-old wife and buried her body in a cemetery, so that people did not get to know that she was murdered. The accused person is painter Shabab Ali (47) from Amroha in Uttar Pradesh and the deceased wife is Fatima. The accused killed his wife due to suspicion. Fatima's (30) friend filed a missing person report in Mehrauli police station on August 10 and suspected that she was held hostage. When the police started investigating, Fatima was seen with her husband Shabab and his friends on July 31 in the CCTV footage installed in the area. She was in the car and was unconscious. After this, the police started questioning her husband. First he misled them, but later told the truth. The accused told the police that he was suspicious of his wife. On July 27, he made his wife unconscious and took her to a house under construction at his workplace in Fatehpur Beri area. He kept her here for about 5 days. He kept giving her intoxicating pills and slow poison. When Fatima died on August 2, he, along with his friends Shahrukh (28) and Tanveer (25), took the body in a car to Chandanhola cemetery and buried it. After the murder, the accused Shabab went to Amroha and kept sending WhatsApp messages and reels to his wife's friends from her phone. He told her friends from the woman's phone that she had run away to marry someone else. Shabab also misled the police. He told that he had thrown his wife's body in the Ganga canal. The police got tired of searching, but nothing was found. After this, during strict interrogation, he told the secret. Police said that following Shabab's confession, police exhumed his body from the grave on August 15, 11 days after the murder, in the presence of a sub-divisional magistrate.